वर्ष:- 06
अंक:- 86
मुरादाबाद
(Thursday)
16 July 2026
पृष्ठ:-8
मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

भारत और ब्रिटेन के आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाएगा सीईटीए, समझौते पर बोले प्रधानमंत्री

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक व्यापार समझौता (सीईटीए) और सामाजिक सुरक्षा समझौता लागू हो गया है, जिससे 99त्र भारतीय निर्यातों को जीरो-ड्यूटी एंट्री मिलेगी। भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के आर्थिक संबंधों के लिहाज से बुधवार का दिन एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच महत्वाकांक्षी व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) और सामाजिक सुरक्षा समझौता आधिकारिक तौर पर लागू हो गए हैं। इस ऐतिहासिक कदम के तहत अब भारत से

ब्रिटेन जाने वाले लगभग 99 प्रतिशत निर्यातों को जीरो-ड्यूटी (शून्य-शुल्क) के साथ बाजार पहुंच हासिल होगी, जो कुल व्यापार मूल्य का लगभग 100 प्रतिशत कवर करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे दोनों देशों की साझेदारी में एक महत्वपूर्ण क्षण बताया है जो द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगा।दोनों देशों के नेतृत्व ने इस साझेदारी को लेकर क्या उम्मीदें जताई हैं ? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि यह साझा महत्वाकांक्षाओं को हमारे लोगों के लिए वास्तविक और ठोस अवसरों में बदलने का काम करेगा। उन्होंने रेखांकित किया कि यह क्षण दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच गहरे आपसी विश्वास और व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश एवं नवाचार द्वारा संचालित एक मजबूत और भविष्योन्मुखी साझेदारी बनाने के संकल्प को प्रदर्शित करता है। पीएम ने कहा, भारत-यूनाइटेड किंगडम साझेदारी में यह एक महत्वपूर्ण क्षण है! व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) और सामाजिक सुरक्षा समझौते के लागू होने से हमारे आर्थिक संबंध और भी गहरे होने वाले हैं। ये समझौते मिलकर हमारी साझा महत्वाकांक्षा को हमारे लोगों के लिए ठोस अवसरों में तब्दील करते हैं। मोदी ने यह भी कहा कि सीईटीए किसानों, उद्यमियों और एमएसएमई को नई गति प्रदान करेगा, इसके अलावा कई जीवंत क्षेत्रों को यूके के बाजार तक मजबूत पहुंच प्राप्त होगी।पीएम मोदी के अनुसार, सीईटीए हमारे किसानों, उद्यमियों और लघु व मध्यम उद्यमों को नई गति प्रदान करेगा। कई जीवंत क्षेत्रों को यूके के बाजार में बेहतर पहुंच प्राप्त होगी। यह प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाओं और नवाचार में सहयोग को भी गहरा करेगा, साथ ही कुशल भारतीय प्रतिभाओं की गतिशीलता को बढ़ावा देगा। सामाजिक सुरक्षा समझौता यूके में अस्थायी रूप से काम कर रहे भारतीय पेशेवरों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करेगा और भारतीय उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करेगा। वहीं, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अपने ब्रिटिश समकक्ष पीटर काइल और दोनों देशों की वार्ताकार टीमों को इस परिवर्तनकारी समझौते को धरातल पर उतारने के लिए धन्यवाद दिया।इस ऐतिहासिक समझौते से भारतीय निर्यातकों और उद्योगों को क्या फायदा मिलेगा ?

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार, यह समझौता भारत के पारंपरिक और आधुनिक दोनों क्षेत्रों के लिए अभूतपूर्व अवसर पैदा करेगा। इस समझौते (सीईटीए) के लागू होने से भारत के कई प्रमुख क्षेत्रों को ब्रिटेन के बाजार में सीधी और मजबूत पहुंच मिलेगी: प्रमुख निर्यात क्षेत्र: कपड़ा, चमड़ा, रत्न और आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, समुद्री उत्पाद, रसायन, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ और विनिर्माण क्षेत्र को इससे भारी निर्यात लाभ मिलेगा। छोटे उद्यमियों और किसानों को सहारा: यह ऐतिहासिक समझौता देश के किसानों, उद्यमियों और विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को नया प्रोत्साहन और गति देगा। सेवा क्षेत्र का विस्तार: यह आईटी, वित्तीय, शिक्षा, पेशेवर और व्यावसायिक सेवाओं के लिए नए दरवाजे खोलेगा। आईटी सेक्टर्स और पेशेवरों के लिए सोशल सिक्योरिटी एग्रीमेंट क्यों गेमचेंजर है ? व्यापार सौदे के साथ-साथ लागू हुआ सामाजिक सुरक्षा समझौता भारतीय कार्यबल के लिए एक बहुत बड़ी राहत लेकर आया है। इसके तहत: दोहरे योगदान से मुक्ति: अस्थायी असाइनमेंट पर ब्रिटेन जाने वाले भारतीय पेशेवरों को अब पांच वर्षों तक दोहरे सामाजिक सुरक्षा योगदान से पूरी तरह छूट दी जाएगी।वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़त: वाणिज्य मंत्री गोयल ने स्पष्ट किया कि इस छूट से विदेशी जमीन पर भारतीय कंपनियों और पेशेवरों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता काफी मजबूत होगी। प्रतिभाओं का सुगम आवागमन: यह समझौता देश के कुशल कार्यबल और विशेष रूप से तकनीकी विशेषज्ञों को ब्रिटेन में काम करने के लिए अधिक गतिशीलता और सुरक्षा प्रदान करेगा। क्या है इस बड़े घटनाक्रम का निष्कर्ष ? भारत और ब्रिटेन के बीच इन दोनों समझौतों का एक साथ लागू होना वैश्विक व्यापार के परिदृश्य में भारत के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। 99 प्रतिशत निर्यात पर शून्य-शुल्क मिलने और आईटी पेशेवरों को टैक्स में बड़ी छूट मिलने से देश में रोजगार और विदेशी निवेश के नए रास्ते खुलेंगे। यह कदम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक लचीली, नवाचार-संचालित और साझा समृद्धि वाली मजबूत अर्थव्यवस्था का आधार तैयार करेगा।

संक्षिप्त समाचार

सीएम सतीशन बोले- डीएमआरसी की हाईस्पीड रेल परियोजना अधूरी, डीपीआर से पहले नए अध्ययन जरूरी

सीएम सतीशन ने कहा कि सरकार पहले परियोजना की वित्तीय और परिचालन व्यवहार्यता का विस्तृत अध्ययन करेगी, जिसमें माल ढुलाई और रसद आवागमन की संभावना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि केवल यात्री राजस्व से परियोजना को आर्थिक रूप से टिकाऊ बनाना पर्याप्त नहीं होगा, इसलिए राजस्व के अतिरिक्त स्रोत आवश्यक हैं।मेट्रो मैन ई. श्रीधरन के मार्गदर्शन में दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) द्वारा तैयार किए गए प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को रद्द नहीं किया गया है लेकिन केरल सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि परियोजना तभी आगे बढ़ेगी जब महत्वपूर्ण तकनीकी और आर्थिक अध्ययन पूरे हो जाएंगे। बुधवार को कैबिनेट बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने ये बात कही।

मुख्यमंत्री वीडी सतीशन कहा कि सरकार द्वारा गठित एक विशेषज्ञ समिति ने डीएमआरसी की रिपोर्ट की जांच की और अपनी सिफारिशें प्रस्तुत कीं। समिति ने पाया कि यद्यपि डीएमआरसी की रिपोर्ट एक महत्वपूर्ण आधार प्रदान करती है, इसे एक व्यापक परियोजना रिपोर्ट नहीं माना जा सकता। प्रस्ताव में अनिवार्य पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) शामिल नहीं है और न ही इसमें कॉरिडोर के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण की सीमा निर्दिष्ट की गई है।

विश्व युवा कौशल दिवसः योगी बोले- पहले यूपी में नौकरी नहीं थीं, आती भी तो चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली पर जुट जाती

विश्व युवा कौशल दिवस पर सीएम योगी ने कौशल सारथी और कौशल सेतु मॉड्यूल भी लॉन्च और कौशलम पुस्तिका का विमोचन किया। इस दौरान विभिन्न प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थानों के साथ एमओयू भी हुए।विश्व युवा कौशल दिवस-2026 पर बुधवार को व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग द्वारा राजधानी लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कौशल सारथी और कौशल सेतु मॉड्यूल भी लॉन्च और कौशलम पुस्तिका का विमोचन किया। विभिन्न प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थानों के साथ एमओयू भी हुए। इस मौके पर मुख्यमंत्री उच्च वेतन पर नियुक्ति पाने वाले व उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 21 युवा आइकॉन को सम्मानित भी

किया। साथ ही श्रेष्ठ कार्य करने वाले राजकीय आईटीआई, प्रशिक्षण प्रदाताओं और प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन एजेंसियों के प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया।स्किल आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का माध्यम

इस मौके पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि पूरी दुनिया के लिए यूपी और सीएम का काम मॉडल है। यूपी में निवेश बढ़ा है, इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ा है। यहां प्रशिक्षण पाने वाले युवाओं का आज सम्मान होगा। अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। स्वावलंबन प्राप्त करें। पीएम मोदी ऊर्जा और आतंकवाद के विरोध की बात करते हैं। साथ ही युवाओं को स्वावलंबन देने की बात जरूर करते हैं। यह आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का माध्यम है।उन्होंने कहा कि स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया के तहत इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप स्किल मैन पावर दे रहे हैं। 20 हजार युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। 10 हजार को जॉब दिलाई। सीएम योगी ने स्किल के लिए 3300 करोड़ का बजट किया है। टाटा ग्रुप के साथ एमओयू हुआ है। नई तकनीकी के साथ युवाओं को प्रशिक्षण दे रहे हैं।2017 से पहले यूपी की सरकार सबसे बड़ी अपशगुन थी इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य होने के नाते इस बात की खुशी होती है कि सबसे ज्यादा युवा फोर्स हमारे पास है। इस स्केल को स्किलिंग से जोड़कर हम यूपी को आगे बढ़ा रहे हैं। आज जो युवा हैं वो 2017 से पहले आप सब बच्चे थे। उस समय माता-पिता अपने बच्चों को किसी भी अपशगुन से बचाते हैं। लेकिन, उस समय की सरकार ही सबसे बड़ी अपशगुन थी। न स्किल थी, न स्कूली शिक्षा। सब नदारत थे। सीएम ने कहा कि 2017 से पहले न बेटी सुरक्षित थी, न व्यापारी सुरक्षित था। युवाओं के आगे पहचान का संकट था। कोई बच्चा किसी तरह पढ़ाई कर लेता था तो यूपी में नौकरी नहीं थी। सरकारी नौकरी निकली भी तो चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली पर जुट जाती थी। कोर्ट को स्टे देना पड़ता था।

महंगाई पर कांग्रेस का मोदी सरकार पर हमला, जयराम रमेश ने कहा- देश आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है

कांग्रेस नेता ने कहा कि जून के थोक महंगाई के आंकड़े सरकार की आर्थिक नीतियों की विफलता का स्पष्ट प्रमाण हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब समाज का हर वर्ग परेशानी में है, तब सरकार की प्राथमिकताएं आखिर क्या हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से महंगाई और आर्थिक हालात पर जवाब देने की मांग की।थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई) जून में बढ़कर 9.87 फीसदी पहुंचने के बाद कांग्रेस ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने आरोप लगाया कि सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण देश धीरे-धीरे आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। कांग्रेस ने बढ़ती महंगाई को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जवाब भी मांगा और कहा कि 12 साल तक सरकार चलाने के बाद इस आर्थिक स्थिति की जिम्मेदारी उन्हें ही लेनी चाहिए।कांग्रेस कई महीनों से कर रही थी आगाह- कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर हिंदी में पोस्ट करते हुए कहा कि कांग्रेस पिछले कई महीनों से सरकार को आर्थिक हालात

को लेकर लगातार आगाह करती रही है, लेकिन सरकार ने समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि जून में थोक महंगाई 44 महीनों के सबसे ऊंचे स्तर 9.87 फीसदी पर पहुंच गई है। वहीं, ईंधन और बिजली की कीमतों में 27.4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही कृषि बुवाई तीन साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। उनका कहना है कि महंगाई और बेरोजगारी की मार से आम लोग परेशान हैं, जबकि किसान सरकार की नीतियों और प्रतिकूल मौसम की दोहरी मार झेल रहे हैं।%बढ़ती महंगाई से उद्योगों की लागत भी बढ़ी%- जयराम रमेश ने कहा कि बढ़ती महंगाई से उद्योगों की लागत भी लगातार बढ़ रही है। उनका आरोप है कि जब अर्थव्यवस्था के लगभग सभी प्रमुख संकेतक चिंता बढ़ा रहे हैं, तब सरकार हालात संभालने के बजाय लोगों का ध्यान भटकाने में लगी हुई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने के बजाय वास्तविक आंकड़ों को छिपाने की कोशिश कर रही है।जून में बढ़ी थोक महंगाई- सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जून में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई बढ़कर 9.87 फीसदी हो गई, जो मई में 9.68 फीसदी थी। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से खाद्य और गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी के कारण हुई। नए आंकड़े 2022-23 को आधार वर्ष मानकर जारी किए गए हैं।जून में खाद्य महंगाई बढ़कर 5.49 फीसदी हो गई, जो मई में 3.60 फीसदी थी। एल नीनो के असर से कम बारिश होने के कारण खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी दर्ज की गई। गैर-खाद्य वस्तुओं की महंगाई 11.07 फीसदी और खनिज क्षेत्र की महंगाई 9.45 फीसदी रही। वहीं, ईंधन और बिजली क्षेत्र की महंगाई मई के 30.33 फीसदी से घटकर जून में 27.41 फीसदी रही, जबकि विनिर्मित उत्पादों की महंगाई 7.48 फीसदी पर स्थिर रही।

क्या मानसून सत्र में पारित होगा संशोधन विधेयक?: चिदंबरम ने बताया BJP का प्लान, इंडिया गुट से है कनेक्शन

कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने दावा किया है कि भाजपा 131वें संविधान संशोधन विधेयक के लिए एनसीपी (एसपी) और द्रमुक का समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने दोनों दलों से राज्यों के अधिकारों के लिए इस विधेयक का विरोध करने को कहा।कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने मंगलवार को दावा किया कि भाजपा आगामी मानसून सत्र में 131वां संविधान संशोधन विधेयक लाने की योजना बना रही है। इस विधेयक को पारित कराने के लिए भाजपा एनसीपी (एसपी) और द्रमुक (ष्ठरूय्) का समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रही है। चिदंबरम ने इन दोनों क्षेत्रीय दलों से इस विधेयक का समर्थन न करने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि इस विफल विधेयक के नए संस्करण का समर्थन करना इन दलों के अपने विवेक के साथ विश्वासघात होगा। विधेयक का असली उद्देश्य- चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भाजपा उस 131वें संविधान संशोधन विधेयक को वापस लाने की योजना बना रही है जो अप्रैल 2026 में संसद के पिछले सत्र में विफल हो गया था। उन्होंने कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करना बताया गया था। लेकिन इसका असली उद्देश्य निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन और संभावित रूप से उनके अनुचित बदलाव (गेरीमैंडरिंग) का रास्ता साफ करना है।नए विधेयक की जरूरत नहीं- पूर्व गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय संविधान में 106वें संशोधन अधिनियम के तहत पहले ही लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने का प्रावधान किया जा चुका है। इसलिए महिलाओं को आरक्षण देने के लिए किसी नए विधेयक की कोई आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी को विभाजित करने के बाद अब भाजपा इस विफल विधेयक के नए संस्करण के लिए एनसीपी (एसपी) और द्रमुक को लुभाने में जुटी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि एनसीपी (एसपी) और द्रमुक इस विफल विधेयक के वास्तविक उद्देश्य को अच्छी तरह समझते हैं और वे भविष्य में भी अपने रुख पर अडिग रहेंगे।राज्यों के अधिकारों पर खतरा- चिदंबरम ने चेतावनी दी कि वर्तमान फॉर्मूले के तहत निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन उन राज्यों के अधिकारों के साथ गंभीर अन्याय करेगा जिन्होंने राष्ट्रीय जनसंख्या नीति का ईमानदारी से पालन किया और अपनी जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित किया। उन्होंने कहा कि आक्रामक भाजपा के खिलाफ राज्यों के अधिकारों की मजबूती से रक्षा की जानी चाहिए। सरकार 20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र में इस विधेयक को लाने की तैयारी में है। इस विधेयक में लोकसभा सीटों को बढ़ाकर 850 करने और परिसीमन शुरू करने का प्रस्ताव है।

संपादकीय Editorial

Iran to Build a Nuclear Bomb!

The tension of war has escalated to such an extent that Iran is considering developing a nuclear bomb. It could even withdraw from the Nuclear Non-Proliferation Treaty (NPT). Currently, such possibilities and fears are being expressed, but defense experts consider them to be the basis for developing a nuclear bomb. Russia has also stated several times that circumstances are forcing Iran to develop an atomic bomb. In this context, defense experts are comparing Iran to North Korea. North Korea was a member of the NPT in 1985. Yet, it conducted mysterious nuclear tests and even developed small bombs. It left the NPT in 2003. Today, it is openly testing destructive missiles. No one has a verified account of how many nuclear bombs it possesses, but the US and European countries remain apprehensive. Has the Iran war reached such a point that Iran could become 'North Korea'? Iran is reportedly said to possess approximately 440 kg of enriched uranium. This enrichment is over 60 percent, sufficient to produce small atomic bombs! Based on the International Atomic Energy Agency (IAEA)'s inspection of Iran's nuclear program, estimates are still being made that Iran has not developed a nuclear bomb. The late Supreme Leader Khamenei was also openly opposed to developing a nuclear bomb, but the current Supreme Leader, Mojtaba Khamenei, remains unclear on this matter. There have been reports that uranium enrichment is still ongoing at Iran's largest and most important nuclear facility, Natanz, as well as the Fordo and Isfahan nuclear facilities. These are deep underground and secure nuclear facilities that the US and Israel have so far failed to destroy. The Bushehr nuclear plant, near which the US military recently carried out airstrikes and bombings, is Iran's only active nuclear power plant. Germany began construction of this 1000-megawatt plant, but they fled, leaving it unfinished. Russia then finalized it. It is Iran's most sensitive nuclear facility. President Trump has announced attacks on power plants and vital bridges. Last Thursday, a US attack destroyed the railway bridges connecting Tehran and Mashhad. Khamenei was buried in Mashhad. For the first time, US attacks have targeted the Chabahar port traffic control tower and the IRGC's Imam Ali base. Obviously, there has been damage. India has invested ?1,400 crore in developing this port, so we have also suffered losses. Recently, news surfaced that Bushehr alone has a stockpile of approximately 2,100 kg of plutonium, potentially enough to produce 200 nuclear bombs. This news was reported by Forbes, Reuters, and Google as well. It was interpreted that Iran wants to become a nuclear power as soon as possible. It sees this as its last option for survival. Iran calls this a "shield of self-defense," and has begun deploying troops at nuclear facilities and bases. The Natanz facility contains uranium buried 300 feet underground. Enriched uranium is being relocated, a fact revealed by satellite imagery. Iran claims that dangerous, destructive weapons can be made from plutonium. Reactor-grade plutonium can also be used to create an atomic bomb. Thus, combining enriched uranium and plutonium, Iran possesses approximately 2550 kg of explosive material. This amount could cause mass genocide, and it is impossible to estimate how many generations would be disabled by the radiation of a nuclear bomb. Can the United Nations and the IAEA stop Iran from developing a nuclear bomb? Now, the focus of the war is the nuclear program. The Strait of Hormuz remains partially open, and Iran has allowed 10-12 ships and tankers to pass through. According to tanker trackers, approximately 10 million barrels of oil were supplied via Iran's super tanker. The value of this oil is estimated to be ?75 billion (75 billion rupees).

Datia By-Election: Narottam's Strong Message to BJP Leaders

Upon hearing the news of Ashutosh Tiwari's ticket, Narottam's supporters in Datia created a ruckus for 12 hours, resorting to violence and arson. However, even his "good-faith" image failed to sway him in the face of the party's high command's firm stance. Narottam was forced to reluctantly announce his support for Ashutosh. By sidelining Dr. Narottam Mishra, a veteran leader who lost the last assembly election and was aiming to become a minister this time, the BJP's decision to give the ticket to another Brahmin, young leader, Ashutosh Tiwari, has sent a powerful message to not only Narottam Mishra but also to all party leaders over sixty: they should now prepare to leave. The generational shift within the BJP (with the exception of two top leaders) that began last year appears to be taking shape in the selection of candidates for the by-elections. Although Narottam's supporters in Datia created a ruckus for 12 hours, resorting to violence and arson upon hearing the news of Ashutosh Tiwari's ticket, even his Sudarshan image was no match for his own. Narottam was forced to announce his support for Ashutosh. Internally, questions are being raised about Chief Minister Dr. Mohan Yadav's role in canceling Narottam's ticket. This not only aborts the possibility of another power center emerging in the state, but if the BJP loses this by-election, the suspicion of sabotage will fall on Narottam. This represents a situation of killing two birds with one stone. Overall, this could be the end of Narottam's political career, always known for his flamboyant image. Ironically, Narottam was once busy establishing himself as the state's most prominent Brahmin figure. Narottam was among those who played an active role in toppling the Kamal Nath government. Before this, he also served as the state's Home Minister, earning both fame and wealth.

On the other hand, his image steadily deteriorated in his own constituency. Some even began calling him the "Don of Datia." He won the 2018 assembly elections by a mere 2,500 votes. Even the cancellation of Datia Congress MLA Rajendra Bharti's election due to a bank fraud case didn't dampen Narottam's fortunes.

In fact, Narottam Mishra is an imported leader in Datia. He originally hails from Gwalior and initially won the Dabra assembly seat. When the Dabra seat was reserved in the delimitation process, Narottam moved to Datia because, despite being unreserved, it has a significant Brahmin voter base. Gradually, Narottam established his dominance there.

In the same proportion, he also became unpopular among the people. Narottam is one of those whose political careers have been affected by love for his son. Leaders who consistently win elections often harbor the illusion that they are invincible and master of their own will.

The result was that in 2023, when a BJP wave swept across the state, Narottam lost his seat to Congress's Rajendra Bharti by a margin of 8,750 votes. Before the election results, Narottam had cherished the golden dream of becoming Chief Minister, let alone a minister.

His body language also began to sway in the same vein. But in a democracy, destiny lies in the hands of the people. Despite strong willpower and immense ambition, the people betrayed him, and Narottam had to return home.

Narottam Mishra also harbored the illusion that his good rapport with the "high command" would lead to his proper rehabilitation. But nothing of the sort happened, neither in power nor in the organization. Despite his infectious smile, he could never shake off the burden of his actions.

Why was Narottam's ticket cancelled? - There are many theories as to why Narottam's ticket was cancelled. First, the party's state unit, at Narottam's insistence, had sent only one name to the top leadership for the by-election. However, the top leadership gathered separate feedback and determined that betting on Narottam was risky. Public dissatisfaction with him had not yet subsided.

While a win or loss on this seat would not impact the health of the Mohan Yadav government, losing the seat would certainly send the wrong message that this government is incapable of winning by-elections, as it had lost the Vijaypur by-election last year. A sitting minister of the party had lost that by-election. The BJP, and even Mohan Yadav himself, would hardly have been willing to take this risk.

It's possible that the Chief Minister submitted Narottam's name through the state unit, but later had it removed through Channel 2. This is also speculation. However, this is bolstered by the fact that after Narottam's supporters created a ruckus in Datia over the ticket being cut, the Chief Minister and the BJP State President summoned Narottam to the Chief Minister's residence and gave him a stern "admonition." After that, Narottam's attitude cooled. He publicly stated that whatever the party says will be accepted.

Message for leaders over seventy: With a few exceptions, most of the leaders currently in power in Madhya Pradesh are around sixty or younger. The clear message for those approaching or crossing the seventy-year mark is to vacate the throne for newcomers, let alone aspiring to the post of Chief Minister.

We need people who can unhesitatingly address the party's 45-year-old national president, Nitin Navin, as "Sir." Therefore, with the exception of current Union Minister and former long-time Chief Minister Shivraj Singh Chouhan, all leaders operating in the "danger zone" should be addressed as "Sir." The BJP leadership has issued a red signal. This means we can assume that this could be his last stint in power politics. Narendra Singh Tomar, Kailash Vijayvargiya, Prahlad Patel, and others are prominent in this danger zone. Narottam Mishra is also included. Overall, all members of Shivraj's generation should now prepare for the Char Dham Yatra.

This entire incident has cast a shadow over the political future of 66-year-old Narottam Mishra. The reason for his ticket cancellation may take years to resolve, and by then, a lot of water will have flown in state politics. If new leadership establishes its foothold in the meantime, Narottam will have nothing left to do except pray to God.

In any case, it is difficult for Narottam, who has been deeply involved in politics for three decades, to live a life of 'retirement.' The uproar caused by his supporters in Datia has also dented the possibility of his reinstatement in the organization. Secondly, the plan to promote his son in politics also appears to be falling apart.

Narottam's political fortunes were also slim because Chief Minister Dr. Mohan Yadav could not tolerate another player in the race for political ambition. No one wants a Chief Minister. Since the party is clearing the field for a relatively new generation, the Narottams will inevitably be sacrificed. Whatever the final outcome, the Datia incident should be considered a pilot project for this organizational resolution. Gradually, it will be implemented in other states as well. This clean-up plan also has the support of the Sangh.

Now it remains to be seen how far this goes.

PK's big gamble: Why the high-profile Bankipur?

The decision to directly challenge or contest in the BJP's strongest bastion is not just an electoral risk, but also a signal of political message, ideological identity, and ambition to become a mass leader. When Prashant Kishore (PK), who has helped many leaders win elections as a political strategist, chose the high-profile Bankipur assembly seat in Patna for his first electoral outing, the decision wasn't merely an announcement of a candidate's candidacy. It raised many questions in Bihar politics. Why did PK choose one of the BJP's strongest bastions instead of a relatively safe seat? Is this merely an electoral gamble, or is there a larger political strategy and a long-term message behind it? The political message of choosing a difficult path - At first glance, this decision seems risky, as Bankipur has been considered an impregnable stronghold of the Bharatiya Janata Party for the past three decades. But in politics, sometimes the most difficult electoral arenas become the medium for conveying the biggest political message. PK's decision is also being seen in the same category. Bankipur is a symbol of power politics - Bankipur is not just an assembly constituency, but a symbol of power and politics in Bihar. Located in the heart of the capital Patna, this area is home to a large number of government officials, businessmen, professionals, the educated middle class, young people, and influential voters. Election discussions here are heard throughout the state. Therefore, the Bankipur election is often considered an indicator of the political direction of Bihar as a whole. Not a safe seat, but a search for ideological identity - If PK had wanted, he could have contested from an assembly constituency where caste equations favored him or where the Jan Suraj organization was relatively strong. But he chose not to do so. Instead, he decided to challenge the BJP's strongest stronghold. This decision indicates that his priority is not just reaching the assembly, but establishing his ideological identity. Multiple political messages - From a political perspective, PK wants to send multiple messages simultaneously. The first message is that he will not play safe politics. In Indian politics, senior leaders often choose easy and safe seats to minimize the risk of defeat. PK, on ??the contrary, chose the toughest contest. If he performs well, his political credibility will increase, and if he wins, it will be seen as a sign of a major shift in Bihar's politics. Testing the potential of a third alternative - Another important aspect is directly challenging the BJP. Bankipur has long been a stronghold of the BJP. If Jan Suraj gives the BJP a tough fight here, it will send a message that a third political force is emerging amidst the traditional political polarization in Bihar. This could also provide political energy to Jan Suraj in other urban areas of the state. Experimenting beyond caste politics - An important foundation of PK's politics has been his advocacy of an alternative to caste-based politics. Bankipur's social structure is considered suitable for him in this regard. Elections here do not solely depend on caste equations, but issues like development, governance, education, employment.

नशे में धुत हेड कांस्टेबल ने कार से चार लोगों को कुचला, हाईवे पर पांच किलोमीटर गलत दिशा में दौड़ाई कार

अमरोहा में नशे में धुत सिपाही ने दो घंटे तक उत्पात मचाया। हेड कांस्टेबल ने कार से चार लोगों को कुचल दिया। इसके बाद हाईवे पर पांच किलोमीटर तक रॉन्ग साइड में कार दौड़ाई। इस बीच सामने से आ रही एक अन्य बाइक को भी पूरी रफ्तार से टक्कर मार दी। इन दोनों घटनाओं में पिता-पुत्र समेत चार लोग घायल हुए हैं।अमरोहा के डिडौली में तीन माह पहले डॉयल-112 की ड्यूटी पर सोते मिलने में लाइन हाजिर किए जा चुके हेड कांस्टेबल संजीव तोमर ने डिडौली कस्बे में नशे की हालत में सोमवार की रात कार से चार लोगों को कुचल दिया। हेड कांस्टेबल पर शराब के साथ-साथ पुलिसिया रौब का नशा इस हद तक तारी था कि बीच सड़क खड़ी उसकी कार हटाने के लिए कहने पर उसने परिवार सहित जा रहे बाइक सवार पर ही कार चढ़ा दी। मदद के लिए आगे आए एक और युवक को भी कार से टक्कर मार दी। इससे शोर शराबा शुरू होने पर बेखौफ तरीके से हाईवे पर रॉन्ग साइड पांच किलोमीटर तक कार दौड़ाई। इस बीच सामने से आ रही एक अन्य बाइक को भी पूरी रफ्तार से टक्कर मार दी।

इन दोनों घटनाओं में पिता-पुत्र समेत चार लोग घायल हुए हैं। एक की कई हड्डियां तक टूट गई हैं।इस बीच एकत्रित लोगों ने वाहनों से पीछा करके जैसे-तैसे आरोपी को जोया टोल प्लाजा पर घेरने में कामयाबी हासिल की। इसके बाद भीड़ ने धुनाई कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। एसपी लखन सिंह यादव ने बताया कि हेड कांस्टेबल संजीव तोमर को निलंबित कर दिया है। उसकी बर्खास्तगी की कार्रवाई भी की जाएगी।

साथ ही पुलिस ने उसके खिलाफ हत्या के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद जेल भेज दिया। रॉन्ग साइड कार दौड़ाकर पिता-पुत्र को घायल करने के मामले में एक और रिपोर्ट भी उसके विरुद्ध दर्ज की गई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हेड कांस्टेबल के खुलेआम उत्पात का पहला शिकार हुए डिडौली निवासी अमित कुमार, जो बाइक से अपनी पत्नी बच्चे के साथ जोया से घर लौट रहे थे। रात करीब 11 बजे जैसे ही उनकी बाइक डिडौली कस्बे में चामुंडा (बापूधाम) माता मंदिर के पास पहुंची तो वहां पहले से मौजूद हेड कांस्टेबल संजीव तोमर ने अपनी कार बीच सड़क पर खड़ी कर रखी थी।

अमित ने कार हटाने और रास्ता देने के लिए कहा तो आरोपी ने गालियां देते हुए उन पर कार चढ़ा दी। कार का पहिया चढ़ने से अमित कुमार का बायां पैर कुचल गया। पास में मौजूद रविंद्र उनकी मदद को आगे आए तो आरोपी ने उन्हें भी कार से टक्कर मार दी। उनके घुटने में गंभीर चोट लगी है।

इतने पर भी आरोपी के तेवर कम नहीं हुए। घबराए अमित और रविंद्र ने बचने के लिए खुद को वहां खड़े एक ट्रैक्टर की ओट में लिया तो उसने ट्रैक्टर में भी कई बार टक्कर मारी। इससे ट्रैक्टर क्षतिग्रस्त होने के साथ आरोपी की कार का टायर भी फट गया, लेकिन इसके बावजूद उसने फटे टायर वाली कार को हाईवे पर रॉन्ग साइड लगभग पांच किलोमीटर दौड़ाया। इस दौरान सामने से आ रही बाइक को टक्कर मारता हुआ टोल प्लाजा तक जा पहुंचा। शोर मचाकर पीछा करते लोग और टोल पर मौजूद वाहनों के सवार वहीं उसे घेर सके।

रॉन्ग साइड कार दौड़ाते समय आरोपी ने जिस बाइक को टक्कर मारी, उस पर शाहजहांपुर के थाना कांट क्षेत्र के गांव बमरौली निवासी शवीर सिंह और उनके पिता सुधीर सिंह सवार थे। वे नोएडा से अपने गांव लौट रहे थे। तेज रफ्तार कार की टक्कर से सुधीर सिंह के कई जगह फ्रैक्चर हो गया, जबकि शवीर सिंह भी गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों का उपचार चल रहा है।

लोग बोले...दो घंटे उत्पात, हाईवे पर रॉन्ग साइड दौड़ती कार के फटे टायर से दूर तक फैल रही थीं चिंगारियां-डिडौली में लोगों पर अपनी कार चढ़ाने वाले हेड कांस्टेबल की हरकतों को जिसने देखा वह दांतों तले उंगली दबा बैठा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि लग रहा था कि जैसे उस पर कोई भूत सवार हो। उसे न किसी का खौफ था और न कोई अन्य उसे इंसान लग रहा था।

लोगों के मुताबिक शुरुआत से लेकर दबोचे जाने तक आरोपी ने दो घंटे सरेआम उत्पात किया। हद तो यह थी कि ट्रैक्टर को टक्कर मारने से दायां टायर फट जाने पर भी उसने हाईवे पर रॉन्ग साइड पांच किलोमीटर कार दौड़ाई। इस दौरान उस पहिये से लगातार चिंगारियां निकल रही थीं।

दूर तक फैल रही चिंगारियों से लोगों को आरोपी की कार समेत आसपास की अन्य गाड़ियों में आग लगने की चिंता सताने लगी थी। घटना के चश्मदीद रहे लोगों ने कहा कि गमीनत रही कि जोया टोल प्लाजा पर बैरियर और अन्य गाड़ियां रुकने से आरोपी को सीधा रास्ता नहीं मिला और वह लोगों की पकड़ में आ गया, वरना न जाने वह कितने और लोगों को कुचल डालता। बागपत जिले का है आरोपी, तीन माह से लाइन हाजिर था

पुलिस के मुताबिक आरोपी हेड कांस्टेबल संजीव तोमर मूल रूप से बागपत जिले के बड़ौत थाना क्षेत्र के बिजरौल गांव का निवासी है। वर्ष 2011 में वह उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती हुआ था। उस पर पहले भी अनुशासनहीनता के आरोप रहे हैं।

करीब तीन माह पहले डायल-112 की ड्यूटी के दौरान वह पीआरवी की गाड़ी में सोता हुआ मिला था। तब अमरोहा के तत्कालीन एसपी अमित कुमार आनंद ने उसे तत्काल लाइन हाजिर कर दिया था।निलंबित किया, बर्खास्तगी की कार्रवाई भी होगी: एसपी एसपी लखन सिंह यादव ने कहा कि प्रथमदृष्टया मामला बेहद गंभीर है। आरोपी हेड कांस्टेबल को निलंबित किया जा चुका है। उसके खिलाफ विभागीय जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार बर्खास्तगी की कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने कहा कि पुलिस विभाग में इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना और आपराधिक हरकत किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अब 90 सीटर विमान के लिए तैयार होगा हवाई अड्डा, 2120 किसानों से लेंगे जमीन

मुरादाबाद एयरपोर्ट के विस्तार के लिए 163 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की जाएगी, जिस पर 3.35 अरब रुपये खर्च होंगे। इसके लिए छह गांवों के 2120 किसानों की जमीन ली जाएगी। विस्तार के बाद यहां से 70 से 90 सीट वाले विमान उड़ान भर सकेंगे।

बंद है।मुरादाबाद एयरपोर्ट का विस्तार किया जाएगा। इसके का अधिग्रहण किया जाएगा। एयरपोर्ट विस्तार पर 3.35 फ्लाइटें (70 से 90 सीटर) उड़ान भर सकेंगी। शासन ने हवाई अड्डे के रूप में विकसित करने की योजना बनी थी। साइन हुआ। हवाई पट्टी को विकसित कर 52 हेक्टेयर किए गए। तमाम अड़चनों के बाद रक्षा मंत्रलाय, गृह 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हवाई अड्डे का वर्चुअल 19 सीटर जहाज को रवाना किया गया था।फिलहाल यहां से हवाई सेवा बंद है। इसके पीछे 19 सीटर जहाजों की कमी बताई गई। वहीं रनवे छोटा होने का कारण यहां से बड़ी फ्लाइट नहीं शुरू की जा सकती है। ऐसे में रनवे को बड़ा करने की जरूरत है। जिसे देखते हुए प्रशासन ने हवाई अड्डे का विस्तार करने का निर्णय लिया है। 163 हेक्टेयर भूमि पर हवाई अड्डे का विस्तार किया जाएगा। इस विस्तार में छह गांवों की भूमि आएगी। प्रशासन भदासना, टहानायक, हरसैनपुर, सिरसखेड़ा, मूंढापांडे और नियामतपुर इकटोरिया गांव के 2012 किसानों की भूमि लेगा। 17 नवंबर 2024 से बंद है हवाई सेवा- मुरादाबाद हवाई अड्डे से हवाई सेवा 17 नवंबर 2024 से बंद है। मुरादाबाद-लखनऊ के बीच ये सेवा महज 45 दिनों तक ही बहाल रही थी। इस दौरान 1500 यात्रियों ने हवाई यात्रा की थी। अभी 30 मीटर चौड़ा और 2112 मीटर लंबा है रनवे - मुरादाबाद हवाई अड्डा करीब 1250 वर्गमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। इसका रनवे 30 मीटर चौड़ा है। जबकि इसकी लंबाई 2112 मीटर है। इस रनवे पर छोटी फ्लाइट ही उड़ सकती है। विस्तार होने पर रनवे की चौड़ाई 45 मीटर कर दी जाएगी। जबकि लंबाई 2600 मीटर तक हो सकती है। 70 से 90 सीटर विमान सेवा की हो सकती है शुरुआत- हवाई अड्डा विस्तार होने के बाद मुरादाबाद से 70 से 90 सीटर वाली फ्लाइट की शुरुआत हो सकती है। इससे मुरादाबाद के लोगों को लखनऊ आने जाने में सहूलियत होगी। साथ ही दूसरे शहरों के लिए भी हवाई सेवाएं शुरू हो सकती है। हवाई सेवा शुरू करने के लिए हवाई अड्डे का विस्तार होना जरूरी है। इसके लिए प्रशासन की ओर से तीन अरब 35 करोड़ का प्रस्ताव बनाकर एयरपोर्ट अर्थारिटी को भेजा गया है। स्वीकृति मिलने के बाद आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी। - ममता मालवीय, एडीएम वित्त एवं राजस्व

फिलहाल रनवे छोटा होने और 19 सीटर विमानों की कमी के कारण हवाई सेवा लिए 163 हेक्टेयर भूमि की जरूरत है। छह गांवों के 2120 किसानों की भूमि अरब रुपये खर्च किए जाएंगे। हवाई अड्डे का विस्तार होने पर मुरादाबाद से बड़ी एयरपोर्ट अथॉरिटी को प्रस्ताव भेजा है। वर्ष 2014 में मूंढापाड़े की हवाई पट्टी को इसके लिए प्रदेश सरकार और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के बीच एमओयू भूमि पर हवाई अड्डे का निर्माण कराया गया।इस पर करीब 28.93 करोड़ खर्च मंत्रालय और पर्यावरण एवं वन विभाग की ओर से एनओसी मिलने पर 10 मार्च उद्घाटन किया। 10 अगस्त 2024 को पहली बार मुरादाबाद से लखनऊ के लिए

स्कूल चलो अभियान (द्वितीय चरण) के तहत निकली जागरूकता रैली, शत-प्रतिशत नामांकन का लिया गया संकल्प

स्कूल चलो अभियान (द्वितीय चरण) के अंतर्गत मंडलायुक्त श्री आन्जनेय कुमार सिंह एवं जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने मंगलवार को पंचायत भवन परिसर से हरी झंडी दिखाकर भव्य जागरूकता रैली को रवाना किया। अभियान का उद्देश्य 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के प्रत्येक पात्र बच्चे का विद्यालयों में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना तथा शिक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर मंडलायुक्त श्री आन्जनेय कुमार सिंह ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा का अधिकार प्राप्त है और यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि कोई भी पात्र बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने सभी अधिकारियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों से आह्वान किया कि वे स्कूल चलो अभियान को जन-जन तक पहुँचाकर प्रत्येक बच्चे का विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही विकसित समाज और राष्ट्र की मजबूत नींव है। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने की अपील करते हुए कहा कि शासन द्वारा परिषदीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्य-पुस्तकें, यूनिफॉर्म, मध्यान्ह भोजन, डीबीटी के माध्यम से विभिन्न सुविधाएँ तथा ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। इन योजनाओं का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा उपलब्ध कराना है। पंचायत भवन (कम्पनी बाग) से प्रारम्भ हुई रैली गंज गुरहट्टी एवं ताड़ीखाना मार्ग से होते हुए पारकर इंटर कॉलेज, मुरादाबाद पहुँचकर संपन्न हुई। रैली में सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा हाथों में शिक्षा जागरूकता से संबंधित स्लोगन लिखी तख्तियाँ लेकर आमजन को बच्चों के नामांकन एवं नियमित विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं शिक्षकों ने शासन द्वारा परिषदीय विद्यालयों में उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सुविधाओं की जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षक बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित अधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने स्कूल चलो अभियान को जन-जन तक पहुँचाने तथा जनपद में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

फैमिली आईडी में खराब प्रगति पर 07 अधिकारियों को चेतावनी नोटिस।

जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने फैमिली आईडी की प्रगति को लेकर समीक्षा के दौरान खराब प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों के प्रति नाराजगी जताई और डीसी मनरेगा, डीडी कृषि, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण सहायक श्रमायुक्त को चेतावनी नोटिस जारी करने विभाग के चिन्हित लाभार्थियों की फैमिली आईडी व्यतीत होने के बाद भी संतोषजनक प्रगति दर्ज नहीं आईडी बनाई जा चुकी है, इसे शत प्रतिशत पूर्ण को निर्देशित किया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सिंह सहित अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ

अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, बीएसए और के निर्देश दिए। इन विभागीय अधिकारियों को उनके बनवाने की जिम्मेदारी दी गई थी परंतु काफी समय हुई है। जिले में लक्ष्य के सापेक्ष 77 प्रतिशत फैमिली करने के लिए जिलाधिकारी ने सभी जिम्मेदार अधिकारियों सुश्री मृणाली अविनाश जोशी, सीएमओ डॉ कुलदीप अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा में जिलाधिकारी सख्त, फैमिली आईडी की प्रगति में लापरवाही पर अधिकारियों को चेतावनी

जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में सीएम डैशबोर्ड के अंतर्गत विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने विभागवार प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कराए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के अनुरूप समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराए जाएं तथा संबंधित अधिकारी नियमित निरीक्षण कर गुणवत्ता सुनिश्चित करें। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रतिदिन कम से कम एक ग्राम का भ्रमण करें तथा यह सुनिश्चित करें कि ग्राम स्तर पर तैनात कर्मचारी विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति संवेदनशील एवं जवाबदेह रहें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यों में लापरवाही एवं निष्क्रियता बरतने वाले कर्मचारियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुँचना चाहिए। इसके लिए सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी, समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें।

यातायात पुलिस ने 55 डंपर और ट्रकों का किया चालान, 2.92 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 55 डंपर और ट्रकों का चालान कर 2 लाख 92 हजार 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। मुरादाबाद में ट्रैफिक पुलिस ने भारी वाहनों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया। नियम तोड़ने वाले 55 डंपर व ट्रकों पर 2.92 लाख रुपये का जुर्माना लगा।यातायात पुलिस ने भारी वाहनों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 55 डंपर और ट्रकों का चालान कर 2 लाख 92 हजार 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। मंगलवार को यातायात पुलिस ने प्रमुख मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर डंपरों और ट्रकों की जांच की। इस दौरान प्रेशर हॉर्न, निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार, दोषपूर्ण नंबर प्लेट और रिफ्लेक्टर संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान प्रेशर हॉर्न का प्रयोग करने वाले 10 वाहनों पर एक लाख रुपये,ओवरस्पीड चल रहे 38 वाहनों पर एक लाख 52 हजार रुपये, दोषपूर्ण नंबर प्लेट वाले छह वाहनों पर 30 हजार 500 रुपये तथा रिफ्लेक्टर संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वाले एक वाहन पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। इस प्रकार कुल 55 वाहनों का चालान कर दो लाख 92 हजार 500 रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया।यातायात पुलिस ने ट्रांसपोर्टरों, वाहन स्वामियों और चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करें। वाहनों में अवैध प्रेशर हॉर्न का प्रयोग न करें, निर्धारित गति सीमा के भीतर वाहन चलाएं तथा सभी सुरक्षा मानकों का पालन करें। एसपी ट्रैफिक ने सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि सड़क सुरक्षा और आमजन की जान-माल की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। यातायात नियमों की अनदेखी कर लोगों की सुरक्षा और शांति व्यवस्था को खतरे में डालने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध आगे भी इसी तरह सख्त अभियान जारी रहेगा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

विश्व युवा कौशल दिवस पर बरेली में हुनर का हुआ सम्मान, सांसद छत्रपाल गंगवार बोले– कौशल ही युवाओं की सबसे बड़ी ताकत

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) सीबीगंज, बरेली में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के संयुक्त तत्वावधान में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम में आईटीआई प्रशिक्षार्थियों द्वारा तैयार तकनीकी प्रोजेक्ट्स की प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही। सांसद ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर प्रशिक्षार्थियों के नवाचारों की सराहना की और उनसे संवाद भी किया। इस दौरान विभिन्न आईटीआई, कौशल विकास मिशन एवं डीडीयू–जीकेवाई से प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार और स्वरोजगार से जुड़े युवाओं को यूथ आइकॉन के रूप में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सांसद छत्रपाल गंगवार ने अपने संबोधन में कहा कि बदलते समय में कौशल आधारित शिक्षा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की सबसे बड़ी कुंजी है। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न उपलब्धियों एवं युवाओं के लिए संचालित योजनाओं की भी जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में जिला समन्वयक शिव कुमार शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्मृति चिन्ह भेंटकर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, उद्योग प्रतिनिधि, प्रशिक्षण संस्थानों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षार्थी उपस्थित रहे।

PM सूर्य घर योजना में महाघोटाला, आठ फर्जी लाभार्थियों के नाम पर डकारी सब्सिडी, वेंडर पर एफआईआर

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। प्रधानमंत्री की ड्रीम परियोजना पीएम सूर्य घर योजना में फर्जीवाड़े की ऐसी परतें खुली हैं, जिसने सरकारी तंत्र को भी चौंका दिया। जांच में सामने आया कि जिन लोगों ने कभी आवेदन तक नहीं किया, उनके नाम पर सब्सिडी निकाल ली गई, जबकि कुछ मामलों में मृतकों को भी लाभार्थी बना दिया गया। नौ आवेदनों की जांच में आठ फर्जी मिलने के बाद यूपीनेडा ने वेंडर के खिलाफ कैंट थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। यूपीनेडा के वरिष्ठ लिपिक रघुवर दयाल ने पुलिस

को दी तहरीर में बताया कि सचिव एवं मुख्य परियोजना अधिकारी के निर्देश पर सनराइज एंटरप्राइजेज की जांच कराई गई। जांच के दौरान फर्म के प्रोपराइटर सीबीगंज निवासी आशु गुप्ता की भूमिका संदिग्ध पाई गई। इसके बाद पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच शुरू की गई। जांच में सामने आया कि फर्म द्वारा तैयार किए गए 29 रूफटॉप सोलर आवेदनों में से नौ की मौके पर जांच की गई। इनमें आठ लाभार्थी पूरी तरह फर्जी निकले, जबकि केवल एक स्थान पर ही सोलर सिस्टम स्थापित मिला। इससे योजना के नाम पर बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़े की आशंका और गहरा गई है।

कांवड़ियों के मार्गों पर नहीं बिके मांस, व्यवस्था होगी चाक-चौबंद, प्रतिष्ठानो पर लगेगा फूड सेफ्टी कनेक्ट एप का स्टीकर

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम अविनाश सिंह की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय खाद्य सुरक्षा सलाहकार समिति की त्रैमासिक बैठक हुई। डीएम ने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने, संदिग्ध खाद्य प्रतिष्ठानों की सघन जांच करने और नमूना संग्रहण की कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश दिए। डीएम ने निर्देश दिए कि कांवड़ मार्ग पर किसी भी प्रकार के मांसाहारी भोजन या अंडे की बिक्री बिल्कुल न हो। श्रद्धालुओं को शुद्ध खान–पान मिले, इसके लिए सभी खाद्य प्रतिष्ठानों पर फूड सेफ्टी कनेक्ट एप के स्टीकर चस्पा किए जाएं, ताकि किसी भी शिकायत का तत्काल निस्तारण हो सके। उन्होंने संचारी रोगों की रोकथाम के लिए खुले व सड़े फल–सब्जियों तथा असुरक्षित गन्ने के जूस की बिक्री पर नियमित नियंत्रण लगाने के निर्देश दिए। इसके अलावा डीएम ने खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को अपने–अपने क्षेत्रों में एक सप्ताह के भीतर खाद्य लाइसेंस और पंजीकरण में 20 प्रतिशत की वृद्धि करने का लक्ष्य दिया। आईजीआरएस शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण की समीक्षा की गई। एडीएम सिटी अविनाश त्रिपाठी, सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

कांवड यात्रा बैठक

सेल्स मैनेजर ने खाया सल्फास, हालत बिगड़ी, पूर्व प्रधान और भाभी पर जमीन कब्जाने का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। प्रेमनगर थाना क्षेत्र में जमीन विवाद से परेशान एक सेल्स मैनेजर ने सल्फास पाउडर खाकर आत्महत्या का प्रयास कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा है। पीड़ित ने गांव के पूर्व प्रधान और अपने छोटे भाई की पत्नी पर जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया है। शास्त्री नगर निवासी संजीव शंखधार

पुत्र स्व. राममूर्ति लाल शर्मा एक चाय पत्ती कंपनी में सेल्स मैनेजर हैं। उनका आरोप है कि फरीदपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव के पूर्व प्रधान ने उनके छोटे भाई की पत्नी के साथ मिलकर गांव स्थित उनकी बेशकीमती जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है। उनका कहना है कि पूर्व प्रधान दबंग प्रवृत्ति का व्यक्ति है, जिसके डर से गांव का कोई भी व्यक्ति उसके खिलाफ शिकायत करने की हिम्मत नहीं करता। मकान पर भी कब्जे की कोशिश का दावा संजीव शंखधार का आरोप है कि पूर्व प्रधान और उसके भाई की पत्नी ने शास्त्री नगर स्थित उनके मकान पर भी कब्जा करने की नीयत से दीवार खड़ी कर दी है। लगातार हो रहे

साइबर ठगी करने वाले झारखंड के तीन शातिरों समेत चार गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। साइबर क्राइम थाना

पुलिस ने मोबाइल चोरी कर साइबर ठगी करने वाले गैंग का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने झारखंड के तीन युवकों के साथ भुता निवासी सरगना को गिरफ्तार किया है। चारों के पास से 31 मोबाइल बरामद किए गए हैं,

जिनमें से लगभग 27 चोरी के हैं। साइबर थाना प्रभारी धनंजय पांडेय को सूचना मिली कि सीबीगंज के अटरिया निवासी शिवशंकर का मोबाइल फोन चोरी कर खाते से 521469 रुपये निकाले थे। इस घटना में प्रयोग किए गए मोबाइल नंबर की लोकेशन बरेली जंक्शन के पास आ रही है। यह भी पता चला कि यह गैंग लोगों के मोबाइल फोन चोरी कर उनके खाते से रुपये उड़ा देता है और बाद में मोबाइल साइबर ठगों के हाथ बेच देते हैं। यह गैंग मोबाइल चुराने के लिए बच्चों का भी इस्तेमाल करता है। पुलिस ने मनोरंजन सदन के पास से झारखंड के जिला तीन पहाड़ बाबूपुर निवासी अश्वनी महतो, गोविंद महतो व बादल महतो और भुता के साजनपुर निवासी राहुल मिश्रा को पकड़ लिया। चारों से पुलिस को 27 मोबाइल फोन चोरी के मिले जबकि एक–एक मोबाइल चारों शातिरों का खुद का था। पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर लिया। किशोर से चोरी कराते थे मोबाइल, फिर करते थे ठगी एसपी क्राइम मनीष सोनकर ने बताया कि झारखंड निवासी अश्वनी, गोविंद और बादल झारखंड के एक ही गांव के निवासी हैं। राहुल से संपर्क होने के बाद वह बरेली में मोबाइल फोन चोरी करने लगे। मोबाइल चोरी करने के लिए झारखंड के तीनों शातिर अपने गांव के एक नाबालिग लड़के को साथ ले आए। यह किशोर ही इनके गिरोह के लिए खाने–पीने की चीजें दुकान से लाता था। इनके लिए चाय भी बनाता था।

एक पेड़ माँ के नाम दूसरा राजनीतिक के नाम

60 साल पुराने पेड़ पर चला आरा, सवालों के घेरे में ब्लॉक प्रमुख और जिम्मेदार अधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ अमरिया (पीलीभीत)। एक ओर सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रही है, वहीं दूसरी ओर अमरिया ब्लॉक मुख्यालय में इसी अभियान की भावना पर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि ब्लॉक परिसर में पिछले लगभग 60 वर्षों से खड़े एक विशाल छायादार पेड़ को कथित रूप से बिना विभागीय प्रक्रिया और बिना किसी सार्वजनिक नीलामी के कटवा दिया गया।

सूत्रों के अनुसार, ब्लॉक परिसर में स्थित यह पुराना पेड़ वर्षों से कर्मचारियों और आम लोगों को छाया प्रदान कर रहा था। बताया जा रहा है कि पेड़ की कटान के लिए न तो किसी सक्षम अधिकारी की स्वीकृति सार्वजनिक रूप से सामने आई और न ही लकड़ी की नीलामी की कोई जानकारी उपलब्ध कराई गई। आरोप है कि पूरे पेड़ पर सीधे आरा चला दिया गया और लकड़ी का निस्तारण भी पारदर्शी तरीके से नहीं किया गया।स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले इसी ब्लॉक मुख्यालय में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की बड़ी–बड़ी बातें की गई थीं, लेकिन अब उसी परिसर में वर्षों पुराने पेड़ को काटे जाने से अभियान की गंभीरता पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि पुराने और स्वस्थ पेड़ ही नहीं बचाए जाएंगे तो केवल पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य कैसे पूरा होगा? ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों का आरोप है कि यह पूरा मामला ब्लॉक प्रमुख और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से अंजाम दिया गया। उनका कहना है कि यदि पेड़ किसी कारणवश काटना आवश्यक था तो उसकी पूरी विभागीय प्रक्रिया, अनुमति और नीलामी सार्वजनिक की जानी चाहिए थी। ऐसा न होने से पूरे मामले में अनियमितता की आशंका और गहरा गई है। बीडीओ से संपर्क नहीं हो सका– इस संबंध में अमरिया के खंड विकास अधिकारी का पक्ष जानने के लिए कई बार फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। ऐसे में इस मामले पर उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका। उनका पक्ष मिलने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर क्या सरकारी संपत्ति की लकड़ी बिना नियमानुसार नीलामी के काटी और हटाई गई? यदि नहीं, तो संबंधित विभाग सार्वजनिक रूप से अनुमति, कार्रवाई और नीलामी का पूरा रिकॉर्ड सामने क्यों नहीं रख रहा? क्षेत्र के लोगों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा लकड़ी के निस्तारण की प्रक्रिया सार्वजनिक किए जाने की मांग की है।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

बरेली से उड़ान भरें... अब 10 बड़े शहर सिर्फ एक कनेक्टिंग फ्लाइट की दूरी पर

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। हवाई यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। इंडिगो एयरलाइंस ने बरेली से 10 बड़े शहरों के लिए कनेक्टिंग उड़ानों की सुविधा शुरू कर दी है। अब यात्री दिल्ली और नोएडा (जेवर) के रास्ते पटना, चंडीगढ़, वडोदरा, रांची, हैदराबाद, जयपुर, गुवाहाटी, श्रीनगर, चेन्नई और दुबई तक आसानी से सफर कर सकेंगे।एयरपोर्ट डायरेक्टर अवधेश अग्रवाल ने बताया कि नई कनेक्टिंग फ्लाइट्स से यात्रियों को बेहतर यात्रा सुविधा मिलेगी और अलग–अलग टिकट लेने की परेशानी भी कम होगी। एयरलाइन के अनुसार, उड़ानों का संचालन नियामकीय मंजूरी के अनुसार समय–समय पर बदला जा सकता है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

दिन में बार–बार ट्रिपिंग, रात में 5 घंटे की अघोषित कटौती से उपभोक्ता परेशान, सीएम पोर्टल पर शिकायत

क्यूँ न लिखूँ सच/शेर सिंह/ भुता। भीषण गर्मी के बीच कस्बा भुता एवं आसपास के दर्जनों गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित रहने से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि दिन में लगातार ट्रिपिंग हो रही है, जबकि रात में लगभग पांच घंटे तक अघोषित बिजली कटौती की जा रही है। इससे नाराज उपभोक्ताओं ने सीएम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए शीघ्र विद्युत व्यवस्था सुधारने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले करीब एक सप्ताह से 33 केवी विद्युत लाइन के जर्जर तारों के कारण बार–बार फॉल्ट और ट्रिपिंग की समस्या बनी हुई है। इससे घरेलू बिजली आपूर्ति के साथ–साथ किसानों के निजी नलकूप भी प्रभावित हो रहे हैं। धान की रोपाई के मौसम में पर्याप्त बिजली न मिलने से किसानों को सिंचाई में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं के अनुसार, लगातार बिजली बाधित रहने से पंखे, कूलर, फ्रिज, आटा चक्की सहित अन्य विद्युत उपकरण प्रभावित हैं। भीषण गर्मी के कारण बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है तथा महिलाओं और बुजुर्गों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। जागरूक उपभोक्ता प्रशांत कुमार, रामप्रकाश, निशांत, सूरजपाल, आयुष गंगवार, हरपाल सिंह, रामपाल और कुंवरपाल सहित अन्य लोगों ने सीएम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर विद्युत व्यवस्था में शीघ्र सुधार की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे विद्युत उपकेंद्र पर धरना–प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) जय सिंह ने बताया कि भुता के एसडीओ को उपभोक्ताओं को नियमानुसार एवं बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

C4-वज्र' का प्रहार: बरेली परिक्षेत्र में साइबर अपराधियों पर पुलिस की बड़ी चोट, 91 गिरफ्तार... करोड़ों की साइबर ठगी का नेटवर्क ध्वस्त

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष "C4-वज्र अभियान" के तहत बरेली परिक्षेत्र पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह में 91 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 83 मुकदमे दर्ज कर 26.76 लाख नकद, 72 मोबाइल फोन, 31 एटीएम कार्ड, 940 SDT क्रिप्टोकरेंसी, फर्जी आधार कार्ड और अन्य डिजिटल उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार साहनी के निर्देशन में बरेली, बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर की साइबर सेल, साइबर थाना, एसओजी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीमों ने यह कार्रवाई की। जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्यों और डिजिटल सर्विलांस के आधार पर अंतरराज्यीय साइबर गिरोहों और म्यूल बैंक अकाउंट संचालित करने वाले आरोपियों तक पुलिस पहुंची। जांच में सामने आया कि शाहजहांपुर के कांट क्षेत्र में आरोपी लोगों से बैंक खातों की जानकारी लेकर APK ऐप इंस्टॉल कराते थे और ओटीपी हासिल कर खातों से रकम उड़ाते थे। वहीं बरेली पुलिस ने झारखंड के जामताड़ा और नाला से जुड़े मोबाइल चोरी व साइबर ठगी गिरोह का भी पर्दाफाश किया, जो चोरी के मोबाइलों से बैंकिंग डेटा निकालकर ठगी की वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करें, 30 मिनट के गोल्डन टाइम में शिकायत दर्ज कराएं तथा ybercrime.gov.in पोर्टल या नजदीकी साइबर थाना/साइबर हेल्पडेस्क की मदद लें। साइबर अपराध के खिलाफ यह अभियान परिक्षेत्र में अब तक की सबसे प्रभावी कार्रवाइयों में से एक माना जा रहा है।

बेरोजगार युवाओं के लिए सुनहरा मौका- बैंक ऑफ बड़ौदा देगा फ्री ट्रेनिंग, रोजगार शुरू करने में भी करेगा मदद

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बैंक ऑफ बड़ौदा के बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (ऋस्श्वञ्ज्ड्ढ) ने बेरोजगार युवक–युवतियों के लिए निशुल्क स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए हैं। 18 से 50 वर्ष आयु के इच्छुक युवा इन प्रशिक्षणों में भाग लेकर अपना रोजगार शुरू करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। संस्थान में प्रशिक्षण के दौरान नाश्ता और दोपहर का भोजन भी निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। संस्थान में फास्ट फूड, मोबाइल रिपेयरिंग, डेयरी, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, अगरबत्ती, मोमबत्ती, जूट उत्पाद, मशरूम उत्पादन, किराना स्टोर, कृषि उद्यमिता सहित कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण के बाद युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए मार्गदर्शन, बैंक ऋण दिलाने में सहयोग तथा उद्यम स्थापित करने तक हरसंभव सहायता भी दी जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान, 07 नशेमन कॉलोनी, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली में संपर्क कर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

भारत-अमेरिका फ्री ट्रेड समझौते के खिलाफ किसान एकता संघ का बिगुल, सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा पीएम के नाम ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। किसान एकता संघ ने भारत-अमेरिका प्रस्तावित फ्री ट्रेड (एफटीए) समझौते का कड़ा विरोध करते हुए प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा को किसान एकता संघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. रवि नागर ने ज्ञापन सौंपकर किसानों के हितों की रक्षा की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि प्रस्तावित भारत-अमेरिका फ्री ट्रेड समझौता किसानों, खेत मजदूरों, पशुपालकों, छोटे व्यापारियों, लघु उद्योगों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकता है। संगठन का कहना है कि इससे भारतीय कृषि और स्वदेशी उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

डॉ. रवि नागर ने सरकार से मांग की कि प्रस्तावित फ्री ट्रेड समझौते को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए तथा देश के किसानों और कृषि क्षेत्र के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। राजेश शर्मा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो किसान एकता संघ देशभर में लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से व्यापक जनआंदोलन शुरू करेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

जनगणना में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त ,डीएम अविनाश सिंह ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनगणना कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनगणना से जुड़ा प्रत्येक कार्य समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और त्रुटिरहित ढंग से पूरा किया जाए। डीएम ने कहा कि जनगणना देश का महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है,

इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और किसी भी स्तर पर लापरवाही न होने पाए। उन्होंने जनगणना से जुड़ी प्रत्येक गतिविधि की नियमित निगरानी करने तथा आने वाली समस्याओं का समय रहते समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों से पूरी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ निर्धारित लक्ष्य समय से पहले पूरा करने का आह्वान किया गया। समीक्षा बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संतोष कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी बहेड़ी इशिता किशोर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

स्व. महेश किशोर शर्मा की स्मृति में वेदोंजीवनी विद्यालय को मिला वाटर कूलर , समाजसेवा की मिसाल बने सीए अपूर्व मिश्रा परिवार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। स्व. महेश किशोर शर्मा की स्मृति में समाज सेविका रक्षा शर्मा एवं सीए अपूर्व मिश्रा परिवार ने वेदोंजीवनी विद्यालय को वाटर कूलर भेंट कर विद्यार्थियों को बड़ी सौगात दी। इस दौरान मृणाली (स्वाति) मिश्रा ने छात्रों को मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रबंधक शशि भूषण अग्रवाल ने इस सामाजिक सहयोग की सराहना करते हुए भेंटकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उपाध्यक्ष हरिओम अग्रवाल, सदस्य विक्रम अग्रवाल तथा प्रधानाचार्या प्रीति कुमारी ने भी सभी अतिथियों का स्वागत कर धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

एवरग्रीन टैलेंट शो में हरमन सलूजा बनीं किड्स छत्तीसगढ़

क्यूँ न लिखूँ सच/ सात वर्षीय प्रतिभाशाली छात्रा ने शानदार मंचीय प्रस्तुति से जीता खिताब, 80 प्रतिभागियों के बीच बिखेरा प्रतिभा का जलवा बिलासपुर, छत्तीसगढ़। एवरग्रीन लेडी पत्रिका द्वारा आयोजित मिस, मिसेज एवं किड्स टैलेंट प्रतियोगिता का भव्य आयोजन उत्साह और गरिमामय वातावरण में हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से आए लगभग 80 प्रतिभागियों ने अपनी कला, व्यक्तित्व और आत्मविश्वास का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इन सभी प्रतिभागियों के बीच सात वर्षीय हरमन सलूजा ने अपनी उत्कृष्ट मंचीय प्रस्तुति, आत्मविश्वास और बहुमुखी प्रतिभा से निर्णायक मंडल एवं दर्शकों का दिल जीतते हुए प्रतिष्ठित किड्स छत्तीसगढ़ का खिताब अपने नाम किया। उनके दमदार प्रदर्शन पर मंच तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। राजेंद्र नगर निवासी आशीष सलूजा एवं चेतना सलूजा की सुपुत्री तथा ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल की कक्षा दूसरी की छात्रा हरमन बचपन से ही अपनी प्रतिभा का परिचय देती आ रही हैं। तीन वर्ष पूर्व कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर उनकी प्रस्तुति को भी व्यापक सराहना मिली थी। हाल ही में राजनांदगांव में आयोजित एक प्रतियोगिता में भी उन्होंने विजेता का खिताब हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। हरमन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के निरंतर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन को दिया। उन्होंने कहा कि परिवार का सहयोग ही उन्हें हर प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. शीला शर्मा, डॉ. सुनील दत्त मिश्रा, अखंड प्रताप सिंह, अखिलेश पटेल, कौशल महानंद, शानवी शर्मा, डॉ. ज्योति सक्सेना, मंजूषा सिंह, मधु शर्मा एवं प्रणिता पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य महिलाओं, युवाओं और बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है, जिससे उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं एवं सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए अतिथियों ने एवरग्रीन लेडी पत्रिका की इस सराहनीय पहल की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

जनपद को विकास कार्यों में मिली 33 वी रैंक, सुधार के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ बदायूँ= 50 लाख रुपए से अधिक व कम लागत के भवन व सड़क निर्माण तथा मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों की कलेक्टेऊट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आहूत बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला ने अधूरे निर्माण कार्यों को समय से पूर्ण करने के लिए कहा। बैठक के दौरान पाया गया की जून 2026 में जनपद को प्रदेश में विकास कार्यों में 33वीं रैंक, राजस्व कार्यों में 15वीं तथा संयुक्त रूप से 19वीं रैंक प्राप्त हुई है, जिसके सुधार के निर्देश अधिकारियों को दिए गए।बैठक के दौरान राजकीय मेडिकल कॉलेज, राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल ज़रीफनगर, कस्तूरबा गांधी विद्यालयों सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की एक-एक कर समीक्षा की गई व आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए गए। निर्देशित किया कि जिसके जिन निर्माण कार्य के लिए बजट की आवश्यकता है उसकी मांग शासन से समय से कर ली जाए ताकि निर्माण कार्य समय से पूर्ण कराया जा सके। उन्होंने सड़कों की मरम्मत कराने के लिए भी कहा। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता ने बताया कि बदायूँ-ककराला मार्ग व उझानी-ककोड़ा मार्ग पर सड़कों पर झाड़ियां हैं जिनकी छटाई वन विभाग द्वारा कराई जाती है इसके लिए उनके पास बजट भी उपलब्ध है, सीडीओ ने अधिशासी अभियंता से कहा कि वह इसकी सूची दें ताकि कार्य को कराया जा सके। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग ने सड़क किनारे मिट्टी भराई का कार्य मनरेगा से कराने के लिए कहा, जिस पर सीडीओ ने सूची उपलब्ध कराने के लिए कहा, ताकि कार्य को मनरेगा से कराया जा सके। अधिशासी अभियंता ने बताया कि बदायूँ-दातागंज सड़क चौड़ीकरण का कार्य जारी है। मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले 83 कार्यक्रमों में जून 2026 में जनपद को विकास कार्य में 33वीं रैंक प्राप्त हुई है जिसमें 54 परियोजनाओं व कार्यक्रम में ए श्रेणी, 06 में बी श्रेणी, 01 में सी श्रेणी व 02 में डी श्रेणी प्राप्त हुई है, 20 ऐसे कार्यक्रम व परियोजनाएं हैं जिसमें श्रेणियां नहीं दी जाती हैं।जिन 06 कार्यक्रमों व परियोजनाओं में बी श्रेणी प्राप्त हुई है उनमें जननी सुरक्षा योजना, 15 वित्त आयोग ग्राम पंचायत, पांचवा वित्त आयोग ग्राम पंचायत, सेतुओं का निर्माण, नई सड़कों का निर्माण, निर्माण कार्य सीएमआईएस हैं तथा सी श्रेणी फैमिली आईडी के कार्य में प्राप्त हुई है। डी श्रेणी आईसीडीएस पोषण योजना आदि में प्राप्त हुई है।बैठक के दौरान अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, सहायक निदेशक सूचना आशुतोष चंदोला सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी व कार्यदायी संस्थाओं के अभियंता व प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कायमगंज कोतवाली में जश्न का माहौल, 3 अंडर-ट्रेनिंग सिपाही बने दारोगा!

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / कायमगंज (फर्रुखाबाद)= मेहनत और लगन का कोई विकल्प नहीं होता, यह साबित कर दिखाया है कायमगंज कोतवाली में तैनात तीन होनहार अंडर-ट्रेनिंग कांस्टेबलों ने। बुधवार को उप-निरीक्षक (दारोगा) भर्ती खुशियों की लहर दौड़ गई। बीते 30 अप्रैल को ही (सब-इंस्पेक्टर) के पद पर अपनी जगह पक्की कर ली ने तीनों को मिठाई खिलाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की बांटकर अपनी खुशी साझा की। मिलिए इन तीन फौजी परिवार से आते हैं। इनके पिता प्रताप सिंह रिटायर्ड माता चंद्रकला गृहिणी हैं। चंद्रेश चौधरी (कुंआखेड़ा पिता राकेश चौधरी किसानी करते हैं और मां गृहिणी हैं। ट्रेनिंग ले रहा है। सचिन गौतम (कस्बा चौकी)= और माता प्रेमलता आंगनवाड़ी कार्यकत्री हैं। इनकी छोटी हाईस्कूल में है। तीनों नवनियुक्त दारोगाओं ने अपनी ट्रेनर अनुज यादव को दिया है। परिणाम आने के बाद से सफलता पर पूरे कायमगंज और फर्रुखाबाद को गर्व है। इन होनहार दारोगाओं को भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं!

कायमगंज कोतवाली में तैनात तीन होनहार अंडर-ट्रेनिंग का परिणाम घोषित होते ही उनके घरों से लेकर कोतवाली तक कायमगंज कोतवाली में तैनात हुए इन तीनों जवानों ने अब दारोगा है। सफलता की खबर मिलते ही प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ला शुभकामनाएं दीं। नवनियुक्त दारोगाओं ने भी कोतवाली में मिठाई होनहारों से= लोकेश (मंडी चौकी)= मथुरा के रहने वाले लोकेश एक सैनिक हैं और बड़ा भाई क्वस्त्र में देश की सेवा कर रहा है, जबकि चौकी)= अलीगढ़ निवासी चंद्रेश एक साधारण किसान परिवार से हैं। देश सेवा का जज्बा इस परिवार में भी है; इनका छोटा भाई सेना में अलीगढ़ के ही रहने वाले सचिन के पिता खुशीराम भी खेती करते हैं बहन ने भी हाल ही में होमगार्ड परीक्षा पास की है और छोटा भाई शानदार सफलता का पूरा श्रेय अपने माता-पिता, परिजनों और पीटीसी ही उन्हें बधाइयां देने वालों का तांता लगा हुआ है। आपकी इस

फर्रुखाबाद: उफनती गंगा में जानलेवा स्टंट! चंद सिक्कों के लालच में पुल से छलांग लगा रहे किशोर

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद (पांचाल घाट)= पहाड़ों पर हो रही लगातार बारिश के चलते गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। नदी खतरे के निशान से मात्र 60 सेंटीमीटर दूर रह गई है। लेकिन इस खतरे के बावजूद, पांचाल घाट पर कुछ किशोर अपनी जान जोखिम में डालकर एक खौफनाक %एडवेंचर% कर रहे हैं। क्या है पूरा मामला? पुल से गुजरने वाले वाहन चालक अक्सर आस्था के नाम पर गंगा में 1 से 10 रुपये तक के सिक्के फेंकते हैं। इन्हीं सिक्कों को निकालने के लिए किशोर पुल की जाली पर चढ़कर करीब 10 फीट की ऊंचाई से उफनती नदी में छलांग लगा रहे हैं। बताया जा रहा है कि ये बच्चे नाविकों या नदी किनारे रहने वाले परिवारों से हैं। तमाशबीन बनी जनता= सबसे बड़ी हैरानी की बात यह है कि इस खतरनाक खेल को रोकने वाला कोई नहीं है। घाट पर नहाने आए लोग अक्सर मोबाइल में इसका वीडियो बनाते नजर आते हैं। कुछ लोग इन बच्चों का हौसला बढ़ाते हैं तो कुछ उन्हें डांटते हैं। स्थानीय दुकानदारों के मुताबिक, यह जानलेवा खेल यहां आए दिन होता है। पुलिस की चेतावनी= इस मामले को लेकर कादरी गेट थाना प्रभारी कपिल चौधरी ने स्पष्ट किया है कि पुलिस ने घटना का संज्ञान ले लिया है और इस तरह की खतरनाक गतिविधियों को रोकने के लिए जल्द ही सख्त कार्रवाई की जाएगी। आपकी क्या राय है? क्या चंद सिक्कों के लिए अपनी जान जोखिम में डालना सही है? प्रशासन को इस पर क्या ठोस कदम उठाने चाहिए? अपनी राय कमेंट में जरूर बताएं और इस पोस्ट को ज्यादा से ज्यादा शेयर करें ताकि लोगों में जागरूकता फैले!

पिता के हत्याया बेटा गिरफ्तार,आरोपी बोला बेटी की शादी में हो गया था कर्जा, पिता से जमीन बेचकर रुपए देने की कर रहा था मांग

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद के मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत 12 जुलाई को एक युवक ने अपने पिता की ही हत्या कर दी थी। मामले में आरोपी के भतीजे ने रिपोर्ट दर्ज कराई गिरफ्तार कर लिया। बुधवार को ष्टह मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला रामदास की हत्या उसके छोटे बेटे श्याम की रात को कर दी थी। मामले में आरोपी दर्ज कराई थी। पुलिस आरोपी की तलाश आरोपी श्याम सिंह को गिरफ्तार कर लिया खून से सनी बनियान को भी बरामद के दौरान आरोपी ने बताया उसने अपनी की थी। बेटी की शादी में अधिक खर्च और कर्ज से परेशान था। पिता से जमीन रहा था। 12 जुलाई की रात्रि में रुपए विवाद हुआ। जहां गुस्से में आकर अपने पिता पर कई बार कर उनकी हत्या खून से सनी बनियान को घर के सामने ने आरोपी की निशान देही पर खून से किया है। सीओ मोहम्मदाबाद ने बताया 13 जुलाई की सुबह हत्या की बात सामने जांच करने के लिए पहुंची थी जहां पता उसके बेटे ने की है। बताया श्याम सिंह प्रॉपर्टी को लेकर विवाद था। श्याम सिंह कह रहा था। बताया कि विवाद के बाद मृतक के बेटे ने अपने पिता पर कुर्सी से प्रहार कर उनकी हत्या की थी। बताया 24 घंटे के अंदर आरोपी की गिरफ्तारी की गई है। उसकी निशानदेही पर आला कत्ल और खून से सनी बनियान भी बरामद की है। बताया आरोपी पर अग्रिम विधि कार्रवाई की जा रही है।

थी पुलिस ने आरोपी को मोहम्मदाबाद ने प्रेस वार्ता की। रोहिल्ला निवासी 72 वर्षीय सिंह उर्फ रामू ने 12 जुलाई के भतीजे ने नामजद रिपोर्ट कर रही थी। जहां पुलिस ने वहीं उसकी निशान देही पर किया है। बताया गया पूछताछ बेटी की शादी 7 जुलाई को होने के कारण आर्थिक तंगी बेचकर रुपए देने की मांग कर मांगने को लेकर दोनों के बीच प्लास्टिक की कुर्सी से उसने कर दी। घटना के बाद उसने घूरे पर फेंक दिया था। पुलिस सनी बनियान को भी बरामद रोहिल्ला निवासी रामदास की आई थी। सूचना पर पुलिस चला कि रामदास की हत्या उर्फ रामू का अपने पिता से पिता से खेत बेचने की बात

प्यारे रसूल की जिंदगी पर चल कर अपनी जिंदगी को कामयाब बनायें- फजलूर्रहमान कादरी

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ कोंच(जालौन) नगर के मोहल्ला जबाहर नगर सागर तालाब स्थित नगर की मशहूर हिंदू मुस्लिम एकता की प्रतीक दरगाह आस्ताना- ए - कलन्दरिया पर सालाना तीन रोजा उर्से कलन्दरी का 86 वां जश्न जलसा शोहदाये कर्बला, जिक्रे औलिया इकराम व नातिया मुशायरा बाद नमाज इशा 9 बजे से मुनअक़िद किया गया। जिस की सदारत दरगाह के सज्जादा नशीन मियां हाजी आरिफ अली शाह व निजामत हजरत कारी अब्दुल वाहिद फलक कादरी टीकमगढ़ ने की । प्रोग्राम का आगाज तिलावते कलाम पाक से नाजिमे उर्स हाफ़िज़ अताउल्ला खां गौरी व नाते रसूल सल्लल्लाहो अलैहे वसल्लम से हाफिज मोहम्मद यूसुफ ने किया।इससे पूर्व रहीस रजा, हजरत कारी अजमत अली कादरी, मोहम्मद नवाब कादरी, हजरत कारी फिरोज रजा अज़हरी आदि ने एक से एक नात मनकबत पढ़कर पढ़कर प्रोग्राम में रौनक बख्सी। प्रोग्राम में जामा मस्जिद के खतीबो इमाम हाफिज कारी मोहम्मद रिजबान अलीमी ने कहाअपनी जिंदगी को सहाबा किराम शोहदाये कर्बला की जैसी बनाएं। इल्म दीन सीखें और सिखाएं बालदेन की खिदमत करें। मुकर्रेर खुसूसी हजरत अल्लामा मौलाना मोहम्मद फजलूर्रहमान कादरी साहब क़िब्ला जतारा ने अपनी नूरानी तकरीर में कहा अल्लाह ने इंसानों को अपनी इबादत के लिए पैदा किया। इसलिये हमे चाहिए अपने रब की इबादत करें आका करीम की प्यारे रसूल की सुन्नतों पर चलें औलिया इकराम से मुहब्बत लिहाजा अल्लाह से मुहब्बत है। इन से मोहब्बत करें और उनके बताए हुए रास्ते पर चलें।दीन दुनिया दोनों जगह की काम याबी हासिल करें। नोजबानों से इल्म हासिल करने पर जोर दिया ।उन्होंने कहा गुनाहों से बचो। अगर कामयाब होना चाहते हो तो प्यारे रसूल की सुन्नतों पर अमल करें। इससे पूर्व दिन में 2 बजे चादर शरीफ का गस्त पूरे नगर होते हुए दरगाह शरीफ वापस हुआ बाद नमाज मगरिब 7 बजे गुल पोशी , चादर पोशी हुई। जलसे में शिरकत करने वालों में हाफिज साबिर बरकाती मुख़्तायर सैफ उल्ला खां वटीं, सभासद समसुद्दीन मंसूरी, सैय्यद महबूब अली बम्फुल मंसूरी पप्पू ताले वाले ,अलामुहम्मद राईन, अशफाक ग़ौरी अमन अली अमन बैग इरफ़ान मंसूरी मोहम्मद शरीफ बरकाती, आदि सैकड़ो अकीदत मन्द मौजूद रहे। आखिर में सलातो सलाम के बाद आलमे इस्लाम की हिफाजत मुल्क में अमन चैन कायम रहने की दुआ मांगी गई।

दोनों पैरों से लाचार होकर जनसुनवाई में पहुंचा फरियादी, बैटरी ट्राइसाइकिल पाकर मुस्कराते हुए लौटा

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ जनपद में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित नियमित जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई केवल शिकायत सुनने का मंच नहीं, बल्कि पात्र व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रभावी माध्यम भी है। इसी दौरान ग्राम अकबरपुर इटौरा निवासी बलवान सिंह ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह 80 प्रतिशत से ज़्यादा दिव्यांग हैं तथा चलने-फिरने में पूर्णत: असमर्थ होने के कारण दैनिक जीवन के सामान्य कार्यों में भी उन्हें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उनकी समस्या सुनते ही जिलाधिकारी ने तत्काल जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी नीरज चौधरी को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी के निर्देश पर अधिकारियों ने तत्काल आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर बलवान सिंह को बैटरी चालित ट्राइसाइकिल उपलब्ध करा दी।ट्राइसाइकिल मिलते ही उनके चेहरे पर खुशी साफ झलक उठी। बलवान सिंह ने मा0 मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद देते हुए आभार प्रकट किया और कहा कि अब उन्हें अपने दैनिक कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी दिव्यांग व असहाय व्यक्तियों की परेशानी को समझते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का नया सहारा दे रहे है। यह ट्राइसाइकिल उनके लिए किसी नई जिंदगी से कम नहीं है। इस अवसर पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी का विशेष निर्देश है कि प्रत्येक पात्र दिव्यांग, असहाय एवं जरूरतमंद व्यक्ति को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से शत-प्रतिशत आच्छादित किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे सभी पात्र व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें बिना विलंब योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए

संक्षिप्त समाचार

चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर चोरी की

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। कोतवाली के ग्राम भदेवरा निवासी सुरेन्द्र कुमार पुत्र दशरथ सिंह बीती रात अपनी दुकान बंद कर घर चले गए थे और सुबह जब वह दुकान पर पहुंचे तो देखा कि दुकान में चोरी हो गई और दुकान के अंदर रखा गुटखा आदि सम्मान गायब मिला दुकानदार ने बताया है चोरी से लगभग पंद्रह हजार रुपये चले गए है घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया दुकानदार ने आस पास काफी तलाश और पूछताछ की लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं मिल सका सुरेन्द्र कुमार ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर मामले की जांच कराने व चोरी का खुलासा करने तथा आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है कोतवाली प्रभारी ब्रजेश बहादुर का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और आस पास के लोगों से पूछताछ कर चोरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

नदीगांव पुलिस ने वारंटी को गिरफ्तार किया

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। कोंच सर्किल के थाना नदीगांव के प्रभारी राजकुमार चौधरी के निर्देशन में वारंटी पकड़ो अभियान

चलाया गया जिसमें थाने के दरोगा सुनील कुमार सैनी सिपाही प्रदीप कुमार ने आज वारंटी अभियुक्त जगमोहन पुत्र स्व नरेंद्र परिहार उम्र 20 वर्ष निवासी मोहल्ला परिहार पूरा वार्ड सात कस्बा नदीगांव है को उसके घर के बाहर से गिरफ्तार किया है बताया गया है कि जगमोहन पर मुकदमा अपराध संख्या 121/2023 धारा 323 341 504 506 आई पीसी और 3(2)ए एस सी एस टी एक्ट में आरोपी है और इसके खिलाफ वारंट चल रहा था पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया ।

फर्रुखाबाद में नशा मुक्त भारत अभियान तेज: DM डॉ. अंकुर लाठर ने दिए सख्त निर्देश, नशीली दवाओं की अवैध बिक्री पर होगी कड़ी कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद को नशा मुक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम। जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय नारकोटिक्स कॉर्डिनेशन सेंटर (NCORD) समिति की बैठक में नशीली दवाओं

और नारकोटिक्स पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। प्रमुख निर्देश- मेडिकल स्टोरों की नियमित जांच प्रतिबंधित व नशीली दवाओं की अवैध बिक्री पर सख्त कार्रवाई भांग की दुकानों का सघन निरीक्षण स्कूल-कॉलेजों में %नशा मुक्त भारत अभियान चलाया जाएगा छात्र-छात्राओं को नशा छोड़ने की शपथ, पोस्टर, भाषण और नुक्कड़ नाटक के जरिए जागरूक किया जाएगा। डीएम ने कहा कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना समाज और प्रशासन की साझा जिम्मेदारी है, इसलिए सभी विभाग मिलकर इस अभियान को सफल बनाएंगे

बाढ़ का खतरा बढ़ा, फिर भी कटान क्षेत्र में धड़ल्ले से अवैध खनन! आखिर किसकी शह पर गंगा किनारे खोदी जा रही मिट्टी?

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / जनपद फर्रुखाबाद की तहसील अमृतपुर क्षेत्र में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे कटान का खतरा भी बढ़ने लगा है। वहीं दूसरी ओर अवैध खनन का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। आरोप है कि खनन

माफिया और जिम्मेदार विभागों की कथित साठगांठ के चलते कटान प्रभावित क्षेत्रों से लगातार मिट्टी का खनन किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि जमापुर से तीसराम की मड़ैया मार्ग पर कटान क्षेत्र में जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के माध्यम से मिट्टी निकाली जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि बाढ़ के दौरान इस तरह का खनन तटबंध और रास्तों के लिए बड़ा खतरा बन सकता है, लेकिन इसके बावजूद कार्रवाई नहीं की जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाने और क्षेत्र का निरीक्षण कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। बढ़ते जलस्तर और अवैध खनन के चलते लोगों में भय और आक्रोश का माहौल है।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा से समझौता नहीं, नियम तोड़ने वाले वाहनों पर कड़ी कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा /जनपद में स्कूली छात्र-छात्राओं की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने तथा सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन कराने के उद्देश्य से जिला विद्यालय परिवहन यान सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए निर्णयों एवं जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देशों के अनुपालन में परिवहन विभाग ने आज विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। अभियान के दौरान सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश कुमार एवं यात्री/मालकर अधिकारी आनन्द राय कुरील ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में विद्यालयी वाहनों, यात्री वाहनों तथा अन्य व्यावसायिक वाहनों का सघन निरीक्षण किया। जांच के दौरान 03 विद्यालयी वाहनों में परिवहन नियमों एवं सुरक्षा मानकों की अनदेखी पाए जाने पर उनके विरुद्ध नियमानुसार चालान एवं निरुद्ध करने की कार्रवाई की गई। सभी वाहनों को संबंधित थानों में निरुद्ध कराया गया।इसी अभियान के दौरान 03 स्लीपर बसें सवारियों के साथ माल ढुलाई करते हुए पकड़ी गईं। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर इन बसों के विरुद्ध भी चालान एवं निरुद्ध की कार्रवाई करते हुए संबंधित थानों में खड़ा कराया गया।

इसके अतिरिक्त विभिन्न श्रेणी के अन्य नियम उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध भी चालान की कार्रवाई की गई।परिवहन विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि किसी भी यात्री वाहन का उपयोग माल ढुलाई के लिए करना गंभीर नियम उल्लंघन है। भविष्य में मार्ग जांच के दौरान ऐसा पाए जाने पर संबंधित वाहन स्वामी एवं संचालक के विरुद्ध कठोर प्रवर्तन कार्रवाई की जाएगी, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी वाहन स्वामी की होगी। साथ ही जनपद के सभी विद्यालयों के प्रबंधकों, प्रधानाचार्यों एवं वाहन संचालकों से अपील की गई है कि विद्यालयी वाहनों का संचालन सभी वैध अभिलेखों के साथ किया जाए, वाहनों में पंजीकरण प्रमाणपत्र के अनुसार निर्धारित सीट क्षमता से अधिक छात्र-छात्राओं को न बैठाया जाए तथा प्रत्येक विद्यालयी वाहन एवं उसके चालक की फिटनेस, वैधता और सुरक्षा मानकों का नियमित रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों की सुरक्षित एवं सुगम यात्रा सुनिश्चित हो सके।

मुरली मनोहर मंदिर कमेटी के चुनाव को लेकर 18 जुलाई तक मतदाता बनने के लिये आवेदन करें चतुर्भुज चंदेरिया

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के द्वारा श्री मुरली मनोहर मंदिर के चुनाव व्यवस्थापक पूर्व अध्यक्ष चतुर्भुज चंदेरिया ने एक जानकारी में बताया है कि मुरली मनोहर मंदिर कमेटी चुनाव संपन्न होने है इसके लिये समाज के सभी लोगों को व्हाट्सप ग्रुप के माध्यम से मतदाता आवेदन पत्र अपने आधार कार्ड की फोटो कोपी जानकारी भर कर मुकेश डीहा वकील के पास जमा कर दे मतदाता आवेदन पत्र बहुत ही कम संख्या में जमा हुए है एक विचार उपरांत एक मौका और प्रदान किया जाता है कि आप सभी समाज के लोग 14 जुलाई से 18 जुलाई तक यानी पांच दिन का मौका और दिया जाता है अत: आशा करते है कि आप स्वयं एवं अन्य समाज के बंधु को प्रेरित कर दी गई सूचना के अनुसार आधार कार्ड की फोटो कॉपी पर एक टिकट साइज फोटो पंच कर मतदाता आवेदन पत्र जमा करने की कृपा करे आप की सुविधा के लिये तीन और बीएलओ समाज के पास जमा कर दे जिनमें मुकेश जी डीहा राघवेंद्र बिलोटिया दरोगा जी सोनी खुजा वाले संतोष धनोरा वाले है उन्होंने बताया है कि आप सभी का सहयोग अति आवश्यक है जिससे शीघ्र चुनाव संपन्न हो सके ।

आबकारी एक्ट के मामले में स्थायी वारंटी गिरफ्तार, न्यायालय में किया पेश

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत चौकी मगरौनी, थाना नरवर पुलिस ने आबकारी अधिनियम के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे स्थायी वारंटी गब्बर सिंह गुर्जर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

पुलिस के अनुसार, अपराध क्रमांक 159/2018 में धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत स्थायी वारंट जारी होने के बाद आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एसडीओपी करैरा प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी विनय यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी गब्बर सिंह गुर्जर (40 वर्ष) निवासी पुरानी मगरौनी को उसके गांव से गिरफ्तार किया।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी कर माननीय न्यायालय करैरा में पेश किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विनय यादव, चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक अभिमन्यु राजावत, सहायक उपनिरीक्षक दिनेश यादव, आरक्षक सचिन यादव, बीरेन्द्र सिंह एवं रविन्द्र भास्कर की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस ने बताया कि जिले में फरार वारंटियों की गिरफ्तारी और अवैध गतिविधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

फर्रुखाबाद में दर्दनाक हादसा- रोडवेज बस की टक्कर से 19 वर्षीय युवक की मौत, पंचर बनवाने निकला था घर से

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद के कादरी गेट थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 19 वर्षीय कृष्णा की मौत हो गई। बताया गया कि कृष्णा बाइक का पंचर बनवाने के लिए घर से निकला था, लेकिन रास्ते में बदायूं डिपो की रोडवेज बस से आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और बाइक सवार युवक काफी दूर तक घिसटता चला गया। गंभीर हालत में उसे लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक कृष्णा कमालगंज थाना क्षेत्र के रजीपुर गांव का रहने वाला था और फर्रुखाबाद शहर में कोल्ड ड्रिंक एजेंसी में काम करता था। परिजनों के अनुसार उसने करीब एक महीने पहले ही किस्तों पर नई बाइक खरीदी थी। हादसे के बाद मौके पर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें।

फर्रुखाबाद पहुंचे भाजपा के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष राम किशोर साहू, कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष राम किशोर साहू के प्रथम फर्रुखाबाद आगमन पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा एक कार्यकर्ता आधारित संगठन है और संगठन में अनुशासन सर्वोपरि है। अनुशासन से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन की असली ताकत उसका समर्पित कार्यकर्ता होता है। प्रत्येक कार्यकर्ता को जनता के बीच जाकर पार्टी की नीतियों और केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से पहुंचाना चाहिए। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा आगामी चुनावों की तैयारी में पूरी निष्ठा के साथ जुटने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रीय अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया। बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। संगठनात्मक मजबूती, अनुशासन और बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

Not only your diet, these mistakes can also increase your sugar levels, most people remain unaware.

Many habits can worsen diabetes. Knowledge of what not to do with diabetes and following these precautions carefully is essential to protect you from serious risks. Diabetes is a growing global health problem. People of all ages, from children to the elderly, can be affected. Maintaining a healthy lifestyle and diet is crucial to preventing high blood sugar levels. Diet plays a crucial role in this. What you eat and what you don't can directly impact your sugar levels. Poor dietary choices, long hours of sitting, stress, skipping meals, and irregular routines can make diabetes management difficult. This is why doctors recommend relying not only on medications, but also on a balanced diet, regular exercise, and a healthy lifestyle. If you have diabetes or are at risk for it in the future, knowing what to eat is as important as understanding which habits to avoid. Let's learn about mistakes that can increase the risk of health complications by raising blood sugar. Avoid not just sweets, but fast food as well. People often think that diabetes requires avoiding only sugar and sweets, but this isn't the whole picture. Burgers, pizza, French fries, processed snacks, and packaged foods can be high in refined carbohydrates, unhealthy fats, and hidden sugars. Excessive consumption can affect blood sugar, weight gain, and insulin efficiency. Therefore, prioritize a balanced and nutritious diet and develop the habit of eating on time. Sitting for long periods of time can also be harmful. Physical inactivity is considered one of the biggest obstacles to diabetes control. When the body is active, muscles utilize glucose better and insulin sensitivity improves. Sitting for long periods of time and not exercising can make it difficult to control blood sugar. Experts generally recommend at least 30 minutes of physical activity daily. Regular exercise also helps maintain weight, which can reduce the risk of type 2 diabetes. Excessive stress can also increase blood sugar - Mental stress affects not only the mind but also the body. In stressful situations, the level of stress hormones like cortisol can increase in the body, which affects the effectiveness of insulin and there is a possibility of increase in blood sugar. Therefore, controlling stress is also an important part of treatment for diabetes patients. Habits like yoga, meditation, deep breathing techniques and adequate sleep can be helpful in reducing stress.

Do you throw away the seed after eating a mango? Learn about its surprising benefits.

Mangoes are available at very low prices this season. People often throw away the seed after eating it. But did you know that the seed is also very useful? Let's talk about this today. With the arrival of summer, the market is flooded with mangoes. Rich in taste and nutrition, mango is called the king of fruits, but most people discard the seed after eating it, considering it useless. However, the mango seed is also considered useful in Ayurveda and some traditional household uses. The seed inside the mango seed contains fiber, healthy fats, antioxidants, and several bioactive compounds, which have been studied in limited scientific studies. Traditionally, it has been used for various purposes, such as digestive problems, skin and hair care. However, scientific evidence for these uses is still limited and it should not be considered a treatment for any disease. Therefore, it is best to seek proper information and, if necessary, expert advice before consuming or using mango kernels. Potential Benefits of Mango Kernels: 1. Helps Improve Digestion - Mango kernels contain fiber, which may help maintain a healthy digestive system. Traditionally, they have also been used for problems like diarrhea, although more scientific research is needed. 2. Source of Antioxidants - Mango kernels contain certain antioxidant compounds that may play a role in protecting the body's cells from oxidative stress. 3. Beneficial for Heart Health - Some preliminary studies suggest that the healthy fats and plant compounds in mango kernels may support heart health. However, sufficient scientific evidence is not yet available. 4. Benefits for Skin - Oil or paste extracted from mango kernels may help moisturize the skin. Mango seed butter is also used in many cosmetic products. 5. Hair Care - Mango seed butter may help moisturize hair and reduce dryness. This is why it is used in some hair care products. 6. Weight Management - Due to its fiber content, it may help keep you feeling full longer, but it is not considered a proven weight loss remedy. How to Use: Clean and dry the kernels thoroughly. Remove the hard outer shell and extract the inner seed. The seeds can be dried and ground into powder. Consume in limited quantities and only as advised by a specialist. Perform a patch test before using on skin or hair. Approximately half to one teaspoon of this powder can be taken with lukewarm water, honey, or yogurt. Precautions - Mango kernels should not be considered a medicine for any disease. Pregnant women, children, or those suffering from serious illnesses should consult a doctor before consuming them. Consuming large quantities may cause digestive problems. If allergic reactions or any unusual reactions occur, discontinue use.

Do you work sitting all day? Do these 5 easy exercises in the evening to relieve stiffness.

What exercises should people who work sedentary all day do in the evening? People who work sedentary jobs for long periods of time can practice cat-cow stretches, hip flexor stretches, chest opener stretches, hamstring stretches, and a brisk 10–15-minute walk in the evening. These activities can help reduce stiffness, increase flexibility, and minimize the effects of prolonged sitting. Nowadays, most people work in chairs for long hours. Whether in the office or working from home, constantly sitting in front of a computer significantly reduces physical activity. This impact is first felt in the neck, shoulders, waist, and legs. Sitting in the same position for long periods of time can lead to muscle stiffness, back pain, and a sluggish feeling. Over time, this habit can lead to problems like poor posture, joint stiffness, and decreased fitness. Just 10 to 15 minutes of gentle movement and stretching after a long day can provide significant relief. A few simple exercises in the evening can help reduce muscle stiffness, increase flexibility, and reenergize the body. However, if you have any serious pain, injury, or health problems, it's best to consult a doctor or physiotherapist before starting any new exercises. Let's explore five easy moves that can be incorporated into your daily routine. Cat-Cow Stretch - If sitting all day causes stiffness in your back and waist, this stretch can be very helpful. It is considered helpful in increasing spinal mobility and reducing back stiffness. How to do it: Come on your hands and knees. Inhale and bend your back downward. Exhale and round your back upward. Repeat 8-10 times. Hip Flexor Stretch - Continuous sitting can tighten the muscles in the front of the hips. This stretch can help open them up and feel more comfortable moving. It's practiced for 20-30 seconds on each leg. Chest Opener Stretch - Working at a computer or laptop for hours causes the shoulders to hunch forward. This stretch helps open the chest and shoulders and promotes better posture. Breathe deeply during the stretch and avoid jerky movements. Hamstring Stretch - Sitting for long periods of time can also tighten the muscles in the back of the thighs (hamstrings). A gentle stretch can help reduce stiffness in the legs. Hold the stretch for 20-30 seconds. Brisk Walk - If you've been physically inactive throughout the day, a brisk walk for 10-15 minutes in the evening is an easy way to activate your body. This improves blood circulation and can help mitigate the effects of prolonged sitting. Also keep these things in mind: Stand up and walk for 2-3 minutes every 45-60 minutes. Maintain good posture while working. Drink plenty of water. Stop immediately if you feel pain while stretching. Incorporate regular, light physical activity into your daily routine.

How did Nayla Grewal land Atlee's film "Raaka"? The actress shared details and praised the filmmaker.

Bollywood actress Nayla Grewal is set to star in the film "Raaka." She praised director Atlee and explained how she landed the role. Filmmaker Atlee is coming up with a new film, "Raaka," which is currently in the works. Allu Arjun will star in the lead role. Bollywood actress Deepika Padukone will also be seen in a pivotal role. Bollywood actress Nayla Grewal is also associated with the film. She shared her experience working with Atlee. Nayla praised Atlee, saying, "He is someone who works on a grand scale, with a high profile, and with a unique storytelling style. Only he can bring the dedication and hard work required to bring such a major film to life." Nayla Grewal is making her South debut with "Raaka," after an 11-year career in Bollywood. This project is also the first collaboration between Atlee and Allu Arjun. Grewal says that the opportunity came when she expressed her desire to work with Atlee during their first meeting. Atlee took the conversation forward - she said, "He took that conversation forward. He considered working with someone who has so far worked only in the Hindi film industry." Nayla Grewal's work front - The actress, who made her Bollywood debut with Imtiaz Ali's film 'Tamasha' in 2015, was recently seen in the role of a lawyer in season 2 of 'Maamala Legal Hai'. She was also seen in it along with Ravi Kishan, Nidhi Bisht, Anant Joshi and Anjum Batra.

Sara Ali Khan spotted with childhood friends, shared photos in a short dress; explained the purpose of the trip

Sara Ali Khan is currently on a trip with her childhood friends. She shared photos with them and wrote a note along with them. Saif Ali Khan's daughter and actress Sara Ali Khan is very active on social media. She often shares stunning photos of herself. Currently, she is on vacation and out on a trip with her childhood friends. She shared several photos from this trip and wrote a post along with it. What's in Sara's post? In the photos shared by Sara Ali Khan, she can be seen posing on a beach. She has posed for several photos with her friends. In many of the photos, she is wearing a short dress. Along with the photos, she shared a video, in which she is on a yacht with her friends. Sharing the photos and video, Sara Ali Khan wrote, "I have reunited with my childhood friends. We are ready for fun. We have met across the seven seas." We are here to share happiness, spread love, and create memories." Fans have liked and commented on her photos. Sara's work front: Sara Ali Khan was last seen in the film "Pati, Patni Aur Woh Do." It starred Ayushmann Khurrana, Vamika Gabbi, and Rakul Preet Singh. Directed by Mudassar Aziz, the film, made at a cost of ?60 crore, grossed approximately ?64.06 crore. She will soon be seen in the film "Udta Teer." When was Sara born? Sara Ali Khan is the daughter of actor Saif Ali Khan. Saif Ali Khan first married Amrita Singh in 1991. Sara was born on August 12, 1995. Saif Ali Khan separated from Amrita in 2004. Saif then married Kareena in 2012.

"Don't talk nonsense with me, everyone should talk within limits"; Why did Zareen Khan get angry at the paparazzi?

A video of actress Zareen Khan is going viral on social media. In it, she is seen expressing her anger at the paparazzi. Actress Zareen Khan made her debut in 2010 with Salman Khan's film "Veer." She has appeared in several popular films, including "Housefull 2," "Hate Story 3," and "Aksar 2." These days, she frequently attends fashion and lifestyle events and is quite active on social media. Currently, she has come into the spotlight with a video of hers. Why did Zareen say, "Don't talk nonsense"? Zareen Khan has made headlines with the viral video, she is seen looking at some dresses in a store. A man asks, "Do you want this?" To this, Zareen smiles and says, "I'll buy whatever I want. Don't worry." Meanwhile, a man says, "Try it." Zareen replies, "What? In front of you all?" Zareen then says, "Don't talk nonsense with me, everyone should talk within limits. Okay." Netizens reacted this way: Zareen Khan reportedly gave this sharp reply to the paparazzi. Some people are praising her statement and writing that everyone should stay within their limits. At the same time, some are criticizing Zareen, while others are praising her looks. Last seen in films in 2021: Zareen was also seen in films like "Chanakya," "Hum Bhi Akele Tum Bhi Akele," "Aksar 2," and "Wajah Tum Ho." It's worth noting that Zareen garnered considerable attention after her debut opposite Salman Khan. Initially, she was even compared to Katrina Kaif. However, her charisma in the industry gradually began to fade. Zareen was last seen in the film 'Hum Bhi Akele Tum Bhi Akele' in the year 2021.